दैनिक

छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

वर्ष 26 अंक 339 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये   सोमवार 16 मार्च 2026   डाक-मंगलवार 17 मार्च 2026   chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

मिसाइलों की बारिश, हर तरफ धमाके, अमेरिका ने ईरान के खारग द्वीप पर किया मिसाइल अटैक

वॉशिंगटन/तेहरान ,16 मार्च । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सेंटकॉम ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण Kharg Island पर सटीक और व्यापक हमले किए हैं। सेंटकॉम द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रात के समय किए गए हमलों के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, जिनमें धमाकों के बाद उठते धुएं के गुबार और आसमान में फैलता काला धुआं देखा जा सकता है। कमान के अनुसार यह अभियान ईरान के सैन्य ढांचे को कमजोर करने के उद्देश्य से चलाया गया। अमेरिकी सेना के मुताबिक इस कार्रवाई के दौरान नौसैनिक खदानों के भंडारण स्थल, मिसाइल भंडारण बंकर और कई अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने दावा किया कि द्वीप पर स्थित 90 से अधिक ईरानी सैन्य ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया, जबकि तेल से जुड़े महत्वपूर्ण ढांचे को जानबूझकर सुरक्षित रखा गया।

ओडिशा-कटक के सरकारी हॉस्पिटल में लगी भीषण आग, दस मरीजों की मौत

11 कर्मचारी भी झुलसे, मृतकों के परिजन को 25-25 लाख मुआवजा

कटक ,16 मार्च (एजेंसी)। ओडिशा में कटक के श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार रात करीब 3 बजे आग लग गई। हादसे में 10 मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, 3 की मौत इलाज के दौरान हुई।

आग पहली मंजिल पर ट्रॉमा केयर के आईसीयू में लगी थी। यहां करीब 23 मरीज भर्ती थे। उन्हें बचाने में अस्पताल के कम से कम 11 कर्मचारी झुलस गए। अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। ओडिशा सीएम मोहन चरण मांझी सुबह घायलों को देखने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। साथ ही हादसे की हाई लेवल जांच का आदेश दिया है। श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज कटक का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां पूरे राज्य से लोग इलाज करवाने के लिए आते हैं।

दुबई एयरपोर्ट पर ड्रोन अटैक, हवाई अड्डे के पास लग गई आग, हमले के बाद उड़ानें निलंबित

दुबई,16 मार्च (एजेंसी)। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को ड्रोन हमले के बाद उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं। अधिकारियों ने हवाई अड्डे के पास आग लगने की घटना के बाद एहतियाती सुरक्षा उपाय के रूप में परिचालन रोक दिया। दुबई नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम यात्रियों एवं हवाई अड्डे के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी उड़ानों के संबंध में नवीनतम जानकारी के लिए अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें, स्थिति की समीक्षा करने के बाद आधिकारिक चैनलों के माध्यम से आगे की जानकारी दी जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार ड्रोन हमले के कारण हवाई अड्डे की सीमा के पास आग लग गई, जिसे आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत बुझा दिया। दुबई मीडिया कार्यालय ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों ने उड़ान संचालन को अस्थायी रूप से रोकने से पहले ही आग की घटना पर प्रतिक्रिया दी। यह व्यवधान पश्चिम एशिया में फरवरी के अंत में अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच उत्पन्न हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप कई खाड़ी देशों में ड्रोन और मिसाइल हमले हुए हैं और हवाई क्षेत्र पर रुक-रुक कर प्रतिबंध लगाए गए हैं। क्षेत्रीय विमानन को पहले ही काफी व्यवधान का सामना करना पड़ा है, पिछली बार उड़ानों के निलंबन से दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे प्रभावित हुए थे जिसके परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में 1,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं।

दुबई से होकर गुजरने वाले भारत के कई यात्रियों सहित सभी यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपडेट उड़ान समय सारिणी की जानकारी एयरलाइन की वेबसाइटों या मोबाइल एप्लिकेशन से प्राप्त करें, क्योंकि चल रही बाधाओं के बावजूद बुकिंग अभी भी सक्रिय चालू रह सकती है।

कांशीराम को मिले भारत रत्न, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर उठाई मांग

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सामाजिक न्याय आंदोलन के महान नेता कांशीराम को मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने की मांग की है। गांधी ने रविवार को अपने पत्र में कहा कि मान्यवर कांशीराम ने भारतीय राजनीति की दिशा बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और बहुजन समाज तथा गरीब वर्गों में राजनीतिक चेतना जगाई थी। उनका कहना था कि उनके इन प्रयासों से भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई और राजनीतिक व्यवस्था अधिक प्रतिनिधिक तथा न्यायपूर्ण बनी। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज जब हम कांशीराम जी की जयंती मना रहे हैं और उनके जीवन तथा योगदान को याद कर रहे हैं। मैं आपसे अनुरोध करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं कि उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने लोगों को बताया था कि उनका वोट, उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व है और यह देश सभी का समान रूप से है। उनके प्रयासों के कारण कई ऐसे लोग, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था, उन्होंने राजनीति को न्याय और समानता प्राप्त करने का माध्यम मानना शुरू किया।

जैसलमेर में दर्दनाक हादसा, ट्रेन की चपेट में आने से आधा दर्जन ऊंटों की मौत, पटरियों पर बिछा सन्नाटा

जैसलमेर,16 मार्च (एजेंसी)। राजस्थान के राजकीय पशु ऊंट पर संकट के बादल छंटने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक तरफ जहां इनकी घटती संख्या को लेकर हाईकोर्ट ने चिंता जताई है, वहीं दूसरी ओर जैसलमेर के लाठी क्षेत्र से एक रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है। यहां श्री भादरिया-लाठी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक साथ आधा दर्जन ऊंटों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे पशुपालकों में गहरा रोष व्याप्त है।

हादसा उस वक्त हुआ जब ऊंटों का एक झुंड पटरियों को पार कर रहा था। इसी दौरान तेज

रफ्तार ट्रेन वहां से गुजरी और ऊंटों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऊंटों के शव दूर-दूर तक बिखर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल का मंजर इतना भयावह था कि स्थानीय ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं।

हादसे की सूचना जैसे ही आग की तरह फैली, समाजसेवी मुकेश भील के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण और पशुपालक मौके पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने इस घटना को लेकर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी कई बार मूक पशुओं की जान जा चुकी है, लेकिन रेलवे और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं।

सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और रेलवे विभाग को सूचित किया। पशुपालकों की मांग है कि मृत ऊंटों का विधिवत पोस्टमार्टम कराया जाए और पीड़ित पशुपालकों को उचित मुआवजा दिया जाए। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में पटरियों के किनारे फेंसिंग की जाए या ट्रेन की रफ्तार को नियंत्रित किया जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

रायपुर में जमीन विवाद में हाईटेंशन खंभे पर चढ़ा ग्रामीण, प्राइवेट कंपनी पर कब्जे का आरोप

रायपुर,16 मार्च (एजेंसी)। धरसीवां क्षेत्र के सिलतरा चौकी अंतर्गत सोंडरा गांव में जमीन विवाद को लेकर सोमवार को हड़कंप मच गया। एक ग्रामीण हाईटेंशन बिजली के खंभे पर चढ़ गया। ग्रामीण अपनी जमीन को कब्जे से मुक्त कराने की मांग पर अड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंच गए और उसे समझाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सोंडरा गांव निवासी किशन लाल निषाद अपनी जमीन को मुक्त कराने की मांग को लेकर हाईटेंशन बिजली के खंभे पर चढ़ गया।

758 करोड़ बकाया बिजली बिलों के बोझ से मुक्त होंगे छत्तीसगढ़ के 29 लाख उपभोक्ता

रायपुर,16 मार्च (एजेंसी)। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना छत्तीसगढ़ के आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के लगभग 29 लाख उपभोक्ताओं को 758 करोड़ रुपये की सीधी छूट दी जाएगी।

योजना मुख्य रूप से निम्नदाब घरेलू, बीपीएल और कृषि उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसके तहत 31 मार्च 2023 तक की बकाया राशि को आधार माना गया है।

सरचार्ज को भी माफ किया जाएगा– पात्र उपभोक्ताओं को न केवल मूल राशि में रियायत मिलेगी, बल्कि बकाया पर लगने वाले भारी-भरकम अधिभार (सरचार्ज) को भी माफ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना संक्रमण के दौरान लॉकडाउन और प्रोटोकाल के कारण महीनों तक मीटर रीडिंग नहीं हो सकी थी।

इसके बाद जब एकमुश्त भारी बिल आए, तो आर्थिक तंगी के चलते लाखों परिवार इन्हें चुकाने में असमर्थ रहे। अब सरकार की इस पहल का उद्देश्य इन्हीं परिवारों को कर्ज के चक्रव्यूह से बाहर निकालना है।

ऐसे उठाएं योजना का लाभ– उपभोक्ता मोर बिजली एप या नजदीकी बिजली वितरण केंद्र पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं। यह योजना 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। गांव-गांव में विशेष शिविर लगाकर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जाएगा।

वितरण केंद्र के अधिकारियों से संपर्क करें– बिल भुगतान के पश्चात पात्र उपभोक्ता एम-ऊर्जा योजना का लाभ लेने के लिए भी पात्र हो जाएंगे। बिजली कंपनी ने अपील की है कि किसी भी संशय की स्थिति में वितरण केंद्र के अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें।

रायपुर में धर्मांतरण की साजिश का पर्दाफाश! हिंदू देवी-देवताओं को कहता था अपशब्द, जबरन ईसाई बनाने वाला गिरफ्तार

रायपुर ,16 मार्च (एजेंसी)। खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम कठिया में आदिवासी परिवार पर जबरन मतांतरण का दबाव बनाने के वाले आरोपी अनुप शेण्डे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर गांव के लोगों को प्रलोभन देकर और प्रार्थना कराकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार ग्राम कठिया नंबर 01 निवासी रोहित उईके ने थाना खरोरा में शिकायत दर्ज कराई थी।

रोहित उईके ने बताया कि वह गोड़ आदिवासी समाज का मुखिया है। उसके परिवार में पत्नी रीना उईके सहित छह बच्चे हैं। शिकायत में बताया गया कि 15 मार्च की सुबह करीब 10 बजे आरोपी अनुप शेण्डे उसके घर के सामने पहुंचा। उसे और उसके परिवार को इसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने लगा। इस दौरान आरोपी ने प्रार्थना भी कराई। धर्म परिवर्तन के लिए जोर-जबरदस्ती की।

एम्स में इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू, हरीश के लाइफ सपोर्ट के प्रमुख पाइप हटाए, डॉक्टरों ने बनाई नजर

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। देश में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया के तहत एम्स में भर्ती हरीश राणा के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को धीरे-धीरे हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, एम्स के इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की पैलिएटिव केयर यूनिट में भर्ती हरीश राणा के लाइफ सपोर्ट से जुड़े दो प्रमुख पाइप हटा दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टरों की निगरानी में यह प्रक्रिया बेहद सावधानी के साथ चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए है।

बताया जा रहा है कि यह पूरी प्रक्रिया मेडिकल प्रोटोकॉल और कानूनी दिशा-निर्देशों के तहत ही आगे बढ़ाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि लाइफ सपोर्ट के कुछ उपकरण हटाए जाने के बाद अब आगे की स्थिति हरीश राणा के शरीर की प्रतिक्रिया और चिकित्सकीय स्थिति पर निर्भर करेगी। डॉक्टरों का मानना है कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु की यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो सकती है, हालांकि इसके लिए कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है। इससे पहले सबको माफ करते हुए, सबसे माफी मांगते हुए जाओ हरीश। इन्हीं चंद लाइनों के साथ ब्रह्माकुमारी ने इच्छामृत्यु (एम्स) की यात्रा पर जाने से पहले हरीश राणा को परिवार के साथ अंतिम विदाई दी।

वाह वाह

०० पति-पत्नी रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था...

बॉम्बे मेल- पति भाग कर गाड़ी में चढ़ गया।

बीवी से बोला- जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू भी चढ़ जाना।

तपती गर्मी के बीच बदलेगा मौसम, प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार

रायपुर,16 मार्च (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों तक तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद आने वाले दिनों में तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है।

मौसम विभाग ने आज 16 मार्च को प्रदेश के एक-दो स्थानों पर मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। साथ ही गरज-चमक के साथ वज्रपात और बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की भी संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश का मौसम शुष्क बना रहा। इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश में कहीं भी वर्षा दर्ज नहीं की गई।

मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश के एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने, गरज-चमक और वज्रपात की भी संभावना जताई गई है। अगले दो दिनों के बाद भी प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। साथ ही कहीं-कहीं 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा और गरज-चमक के साथ वज्रपात हो सकता है।

फ्रिज में धमाके से घर में लगी भीषण आग, महिला की जिंदा जलकर मौत

बिलासपुर,16 मार्च (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। एक घर में फ्रिज में हुए अचानक ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई। वहीं आग की चपेट में आने से घर में अकेली मौजूद एक महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, 57 वर्षीय जया अग्रवाल लिंगियाडीह स्थित साईं मंदिर के पीछे रहती थीं। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले उनके भाई का निधन हो गया था। जया अग्रवाल अपने मुंहबोले वकील भाई के साथ रहती थीं, जबकि उनका परिवार बेंगलुरु में रहता है।

रविवार देर रात अचानक घर में रखे

फ्रिज में जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद घर में आग लग गई। धमाके की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घबरा गए और घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने देखा कि गली के एक मकान से आग की लपटें उठ रही हैं। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पार्षद दिलीप पाटिल की मदद से बाल्टियों में पानी भरकर आग बुझाने की कोशिश शुरू की। साथ ही पुलिस और दमकल विभाग को भी घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

आग बुझने के बाद जब घर के अंदर तलाशी ली गई, तो महिला बुरी तरह झुलसी हुई हालत में मिली। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पूछताछ में लोगों ने बताया कि अचानक तेज ब्लास्ट की आवाज आई थी। शुरुआत में लोगों को लगा कि गैस सिलेंडर फटने से आग लगी है, लेकिन जांच के दौरान सामने आया कि हादसा फ्रिज ब्लास्ट होने से हुआ। बहरहाल पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

जिले में डिजिटल पारदर्शिता की नई शुरुआत निर्माण कोरबा पोर्टल शीघ्र होगा सार्वजनिक

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सभी विभागों को दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की नीति को कोरबा जिले में भी सशक्त रूप से अपनाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को मज़बूत करने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर कुणाल दुदावत ने 'निर्माण कोरबा' पोर्टल की शुरुआत की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इस अभिनव पोर्टल का उद्देश्य जिले के सभी निर्माण कार्यों को डिजिटल मंच पर लाकर उन्हें आम नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए अधिक सुगम, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है। अब विकास कार्यों की वास्तविक प्रगति कागज़ी फाइलों या मौखिक जानकारी पर निर्भर नहीं रहेगी, प्रत्येक सूचना एक क्लिक में उपलब्ध होगी।

इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम, नगरीय निकायों, जिला पंचायत, ग्रामीण यांत्रिकी सेवाएं, लोक निर्माण विभाग, आदिवासी विकास विभाग, जल संसाधन विभाग सहित सभी निर्माण एजेंसियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में स्वीकृत किसी भी निर्माण कार्य की समस्त जानकारी अब अनिवार्य रूप से पोर्टल में दर्ज की जाएगी। स्वीकृति से लेकर कार्य प्रारंभ की तिथि, कार्यस्थल, स्वीकृत लागत, प्रगति, निर्माणाधीन स्थिति तथा पूर्णता की जानकारी नियमित रूप से अपडेट की जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक चरण की जियो-टैग्ड तस्वीरें, इंजीनियरों की टिप्पणियाँ और स्थल की वास्तविक स्थिति भी उसी दिन पोर्टल पर अपलोड की जाएँगी।

कलेक्टर ने कहा कि कई बार कागज़ी जानकारी और वास्तविक स्थल की स्थिति में अंतर पाया जाता

है-कहीं प्रगति दिखाई जाती है जबकि जमीन पर कार्य प्रारंभ ही नहीं हुआ होता, और कहीं पूर्णता दर्शा दी जाती है जबकि कई कमियाँ शेष रहती हैं। ऐसी विसंगतियों को समाप्त करने तथा जनता के बीच विश्वास बढ़ाने के लिए यह पोर्टल एक अत्यंत प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा। पोर्टल में दर्ज प्रत्येक जानकारी वास्तविक समय में अपडेट की जाएगी, जिससे किसी भी विभाग या एजेंसी के लिए कार्य की वास्तविक स्थिति छिपाना संभव नहीं होगा।

निर्माण कोरबा पोर्टल की एक विशेषता यह है कि जिले की सभी परियोजनाओं को जीआईएस-आधारित मानचित्र पर प्रदर्शित किया जाएगा। प्रस्तावित कार्यों को पीले रंग में, निर्माणाधीन कार्यों को हरे रंग में तथा पूर्ण कार्यों को नीले रंग में दर्शाया जाएगा। इससे कोई भी नागरिक एक नज़र में जान सकेगा कि जिले के किस क्षेत्र में कौन-सा कार्य किस चरण में है। फील्ड टीम द्वारा अपलोड की गई जियो-टैग्ड तस्वीरें इस पोर्टल को और अधिक सशक्त बनाती हैं क्योंकि यह केवल जानकारी ही नहीं बल्कि उसका दृश्य प्रमाण भी प्रस्तुत करती हैं।

कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए हैं कि आगामी समीक्षा बैठकों में अब किसी प्रकार के दस्तावेज़ या कागज़ आधारित रिपोर्ट लाने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी बैठकें सीधे पोर्टल खोलकर, उपलब्ध डेटा का अवलोकन करते हुए और उसी के आधार पर निर्णय लेते हुए संचालित की जाएँगी। यह प्रक्रिया न केवल समय की बचत करेगी बल्कि निर्णयों को अधिक सटीक और साक्ष्य-आधारित बनाएगी।

यह पोर्टल जिले में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल सरकारी कार्यप्रणाली आधुनिक होगी, बल्कि जनता और जनप्रतिनिधियों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित होगी। कुछ ही दिनों में यह पोर्टल आम जनता के लिए भी उपलब्ध करा दिया जाएगा, जिसके बाद कोई भी नागरिक अपने मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से किसी भी निर्माण कार्य की स्थिति वास्तविक समय में देख सकेगा। इससे विकास कार्यों की गति बढ़ेगी और जवाबदेही भी और अधिक मज़बूत होगी।

'निर्माण कोरबा' पोर्टल जिले के डिजिटलीकरण, पारदर्शिता और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरेगा। यह न केवल निर्माण कार्यों की निगरानी को सरल बनाएगा, बल्कि आम नागरिकों में यह विश्वास भी दृढ़ करेगा कि जिला प्रशासन उनके हित में समर्पित रूप से कार्य कर रहा है और विकास की प्रत्येक ईंट पूरी ईमानदारी के साथ रखी जा रही है।

गांजा के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार, मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 50 लोगों पर कार्रवाई

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 2 वाहन चालकों पर लगा जुर्माना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत कोतवाली पुलिस के द्वारा असामाजिक तत्वों एवं आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि इमलीडुग्गू रेलवे कॉलोनी के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर कोतवाली पुलिस के द्वारा तत्काल मौके पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी अश्वनी यादव पिता स्व. छौवरा यादव 38 वर्ष निवासी इमली डुग्गूरेलवे कॉलोनी को अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री करते हुए पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से मादक पदार्थ गांजा जप्त कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कोतवाली पुलिस के द्वारा वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस के द्वारा गौ माता चौक के पास सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत 50 लोगों पर कार्रवाई की गई। साथ ही चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 2 वाहन चालकों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कोतवाली पुलिस के द्वारा वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने कोतवाली पुलिस के द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

कबाड़ी के अवैध निर्माण पर चला निगम का बुलडोजर

बड़ी संख्या में पुलिस बल रहा तैनात

कोरबा(छ.ग.गौरव)। निगम क्षेत्र में सोमवार सुबह बड़ी कार्रवाई की गई। नगर पालिक निगम के वार्ड राताखार में गणेश मंदिर के सामने एक कबाड़ी के द्वारा कराए गए बड़े और अवैध निर्माण को जेसीबी के माध्यम से ढहा दिया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, राजस्व अधिकारी, पुलिस अधिकारी भी यहां मौजूद रहे। नगर निगम, जिला व पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में अवैध निर्माण को धराशाई किया गया।

संयुक्त कार्रवाई को लेकर जहां कबाड़ियों के बीच खलबली मच गई है, वहीं पुलिस और प्रशासन ने अपनी धमक ऐसे अवैध कारोबारियों पर बढ़ाई है। बताते चलें कि इस तरह की कार्रवाई राजधानी रायपुर व बिलासपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों में हो चुकी है। अवैध निर्माण कर कबाड़ दुकान और बड़े-बड़े गोदाम का संचालन कर रहे दूसरे कबाड़ियों में इस कार्रवाई से खलबली मच गई है कि देर-सबेर उनका भी नंबर आ जाएगा। जिले में कबाड़ का कारोबार बिना लाइसेंस के संचालित हो रहा है। एक-दो कबाड़ियों को छोड़ दें तो संभवतः किसी के पास कबाड़ दुकान संचालन के संबंध में वैध लाइसेंस नहीं है। कबाड़ दुकान की आड़ में चोरी का लोहा, तांबा, अल्युमिनियम, पीतल खरीदा और दूसरे जिलों में बेचा जा रहा है।

राशिफल

मेष राशि : आज पारिवारिक जीवन में चल रहे कुछ महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। भविष्य के लिए बनायी योजनाओं पर भी आज कुछ सोच-विचार कर सकते हैं। आज आपको अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद भी मिलेगी। जीवन में अपने परिवार, दोस्तों और जीवनसाथी की भूमिका को पहचानेंगे।

वृष राशि : आज का दिन व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगा। निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं। नए विचार आपके सामने आते रहेंगे। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आज आप पूरा ध्यान अपनी जिम्मेदारियों पर रखें। हर काम जोश से पूरा करने की कोशिश करें। आपकी कोशिशें जल्द ही रंग ला सकती हैं। अगर आज किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन खुशियों भरा रहने वाला है। आज आपका मन नये काम करने में लगेगा। बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। आज अपने कामकाज को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। पार्टनर से प्यार और सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें। आज आप जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं। इसके लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिलने के योग हैं। आज ऑफिस में पुराने कामकाज निपटाने में सफल रहेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में परिवार का सहयोग मिलेगा। वर्क प्लेस पर अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। अपने करियर को लेकर मन में दुविधा होगी, लेकिन जल्द ही वह सॉल्व भी हो जायेगी। आपका स्वास्थ्य पहले से ठीक रहेगा, ड्राई फूड खाएं।

कन्या राशि : आज आपका मन घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेने में व्यस्त रहेगा। पुरानी बहुमूल्य चीज़ों के मोल-भाव पर लाभ अधिक होगा। अपने अधूरे कामों को पूरा करने के लिए भी आज का दिन अच्छा है। आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। आपका आत्मबल आपके लिए सफलता की कुंजी साबित होगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए नए अनुभव लेकर आएगा। आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे और आप कुछ नए प्रतिभाशाली लोगों मिलेंगे। आज अपने आप को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके द्वारा बहुत पहले बनाए गए प्लान में जरूरी बदलाव हो सकता है। बिजनेस में कुछ नया करने की इच्छा होगी।

वृश्चिक राशि : आज प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा रहेगा। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ का योग बन रहा है। समाज कल्याण की तरफ भी आपका रुझान बढ़ेगा। शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सामने रुक नहीं सकेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को विशेष सफलता हासिल होगी ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि : आज आपका रुझान अध्यात्म की तरफ ज्यादा रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज पड़ोसियों के बीच आपका मान ङ्क सम्मान बढ़ेगा। शिक्षा प्रतियोगिता में आपको सफलता मिलेगी। साइंस से जुड़े छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। माता के साथ संबंध मधुर रहेंगे। बिजनेस में पिता को सहयोग करेंगे। खान-पान और जीवनशैली पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ करेंगे। आपकी सैलरी में बढ़ोतरी भी हो सकती है, जिससे आपका आज का दिन अच्छा रहेगा। अपने सीनियर्स के प्रति अच्छा व्यवहार बनाए रखें। छात्रों के लिए भी आज का दिन उनके अनुकूल रहने वाला है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। कार्यक्षेत्र में उम्मीद से अधिक सफलता मिलेगी। आज आपकी मुलाकात अपने बेस्ट फ्रेंड से हो सकती है। पारिवारिक मामलों में किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वार्तालाप होगी। आज के दिन दूर की यात्रा करने से बचें, अपने स्वास्थ्य को राहत देने के लिए ये डिसीजन ठीक होगा।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्वक रहेगा। परीक्षा में आज अप्रत्याशित परिणाम मिलने से आपको बहुत प्रसन्नता होगी। संतान के करियर संबंधी चिंताएं दूर होंगी। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं। पूरा दिन एंजॉय से भरा रहेगा। सरकारी ऑफिस में काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ कर सकते हैं। आज आपका कुछ नए लोगों से संपर्क होगा, जिसका फायदा आपको भविष्य में मिलेगा।

वी केयर फिजियोथेरेपी स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दुर्ग(छ.ग.गौरव)। शहर के प्रतिष्ठित प्रोफेसर कॉलोनी स्थित वी केयर फिजियोथेरेपी स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक रंगारंग एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सबा अंजुम रहीं, जबकि सोनल दानी एवं श्रीमती श्रद्धा केडिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सबा अंजुम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, कड़ी मेहनत और लगन का होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इसी लगन और समर्पण के बल पर उन्होंने हॉकी में भारतीय महिला टीम की कप्तानी करते हुए ओलंपिक तक का सफर तय किया।

विशिष्ट अतिथि सोनल दानी ने अपने प्रेरक विचार साझा करते हुए बताया कि कोरोना काल में जब उन्होंने लोगों को अनाज के लिए संघर्ष करते देखा, तब उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर खेती को अपनाने का निर्णय लिया। आज वे आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कृषि कार्य कर रही हैं और छत्तीसगढ़ से सर्वाधिक निर्यात करने का गौरव भी प्राप्त कर चुकी हैं।

कार्यक्रम में श्रीमती श्रद्धा केडिया ने भी अपने संघर्ष और सफलता की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे एक छोटे शहर से अपने व्यापार की शुरुआत कर कठिनाइयों का सामना करते हुए उन्होंने आज एक सफल उ?द्योग स्थापित किया है और कई लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए श्रीमती कीर्ति श्रीवास्तव दद्वारा हौजी एवं अन्य मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। वहीं क्लिनिक के सदस्यों द्वारा गायन एवं नृत्य प्रस्तुतियां भी दी गई। कार्यक्रम में बाल कलाकार बेबी आरना बिष्ट ने भी अपनी मधुर गायन प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में डॉ. श्रीमती दिव्या श्रीवास्तव (जिला टीकाकरण अधिकारी), श्रीमती रीना श्रीवास्तव (भूतपूर्व प्राचार्य, भिलाई इस्पात संयंत्र) तथा सारिका श्रीवास्तव (पशु प्रेमी एवं अधिवक्ता) ने भी अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का कुशल संचालन कास्ट एवं मैनेजमेंट एकाउंटेंट श्रीमती इशिता श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के अंत में स्वल्पाहार का आयोजन किया गया।

समापन अवसर पर वी केयर स्पोर्टस इंजरी क्लिनिक की संचालिका डॉ. साक्षी श्रीवास्तव बिष्ट ने सभी अतिथियों को जी. के. श्रीवास्तव एवं एसोसिएट (लीगल एवं फाइनेंशियल सलाहकार, दुर्ग) द्वारा प्रायोजित स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके प्रेरणादायक उ?द्बोधन के लिए आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में लगभग 50 महिलाओं ने भाग लेकर अपने विचार साझा किए और महिला सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए टीम वी केयर की ओर से सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर टीम के सदस्यों डॉ. सृष्टि, डॉ. साक्षी साहू, पल्लवी, मुस्कान यादव, शालिनी साहू, मुस्कान वर्मा, प्रिया, कुमुद, रेशमी, रीमा, अंजली, मुस्कान सोरी, कांती को उनके सहयोग एवं समर्पण के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अखबार वितरक संघ कार्यालय को रेडक्रास सोसायटी ने भेंट किया वाटर कूलर

छोटे-छोटे कामों से मिलती है बड़ी सफलता-रामसिंह अग्रवाल

कोरबा(छ.ग.गौरव)। 13 मार्च को रेडक्रास सोसायटी कोरबा ने अखबार वितरक संघ जिला इकाई कोरबा के कार्यालय को वाटर स्पेंसर(वाटर कूलर) भेंट किया, इससे अखबार वितरक संघ कार्यालय को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकी। कुछ दिन पूर्व संघ के पदाधिकारियों ने इसकी मांग रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल से की थी। श्री अग्रवाल ने पहल करते हुए इसकी व्यवस्था के लिए संरक्षक मोहम्मद शफी से आग्रह किया और मोहम्मद शफी ने वाटर स्पेंसर की व्यवस्था की।

अखबार वितरक संघ जिला इकाई कोरबा ने 13 मार्च को शाम 8.00 बजे एक कार्यक्रम आयोजित किया और बतौर मुख्य अतिथि के रूप में रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, संरक्षक मोहम्मद शफी, राहुल मोदी-चेयरमेन, यूथ रेडक्रास सोसायटी, राजू सिंह यूथ एवं जूनियर रेड क्रॉस सोसायटी सचिव जफर अली उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखबार वितरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पद्मसिंह चंदेल ने किया। संघ ने उपस्थित अतिथियों का शाल, श्रीफल से सम्मान किया।

संक्षिप्त उद्बोधन में रामसिंह अग्रवाल ने अखबार वितरक संघ जिला इकाई के रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि छोटे-छोटे कार्यों से ही बड़ी सफलता मिलती है और एकता से सभी काम आसान हो जाते हैं। अखबार वितरण करने वाले बच्चों ने संघ बनाकर एकता का जो मिशाल पेश किया है, वह आने वाले दिनों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसायटी सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि एक साल में ही 1000 सदस्य बनाकर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। 80 लाख रूपए से रेडक्रास भवन का निर्माण हो रहा है, 28 लाख की लागत से ब्लड कलेक्शन सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस का शीघ्र ही लोकार्पण होगा। कार्य करने का जज्बा हो तो कोई भी कार्य असम्भव नहीं रहता, आप भी लगे रहिए, एक दिन यह संघ अपनी पहचान खुद ब खुद बना लेगा। इस अवसर पर जिलाअध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, सचिव जयसिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, सहसचिव रायसिंह, रामा, कृष्ण निर्मलकर, तपेश्वर राठौर,, राजकुमार पटेल, अनिल गिरी सरोज, हर्ष नेताम, राहुल, पप्पू, विजय, ओमकार , दीपक, अज्जू सहित बड़ी संख्या में संघ के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू ने सभी का आभार जताया।

जिले में तीन गौधामों का वर्चुअल शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने किया औपचारिक उद्घाटन

कोरबा(छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत जिले में घूमंतु एवं आवारा गौवंश की सुरक्षा और संरक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजमार्गों के समीप गौधामों की स्थापना की परिकल्पना की गई है। इसी परिकल्पना को धरातल पर उतारते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा लाखासार गौधाम, बिलासपुर में पूजन एवं औपचारिक उद्घाटन किया गया। इसके उपरांत उन्होंने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के सभागार से प्रदेश के सभी स्वीकृत गौधामों का वर्चुअल उद्घाटन किया, जिनमें कोरबा जिले के तीन गौधाम भी सम्मिलित रहे।

जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें विभिन्न गौधाम समितियों के प्रतिनिधि, सदस्य तथा बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्राम महोरा, पोंड़ी उपरोड़ा के गौधाम सदस्य लक्ष्मी नारायण अग्रवाल से संवाद कर गौधामों की अवधारणा को प्रभावी रूप से लागू करने तथा उनके सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु नई दिल्ली में जल महोत्सव 2026 के दौरान एक पारंपरिक बर्तन में पानी डालती हुई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु नई दिल्ली में %जल महोत्सव 2026% में शामिल हुई। साथ में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और अन्य लोग भी मौजूद हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु नई दिल्ली के विज्ञान भवन में जल महोत्सव 2026 को संबोधित करती हुई।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली में उद्योग भवन में 'भारत टेक्स - 2026' लॉन्च किया.

दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू ने शपथ ग्रहण से पहले नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की प्रेसिडेंट अलका लांबा नई दिल्ली में एआईसीसी हेडक्वार्टर में टेबल पर रखे एलपीजी सिलेंडर और चूल्हा(पारंपरिक भारतीय स्टोव और खाना पकाने के बर्तन) के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करती हुई।

बेरुत में मृतकों की संख्या बढ़ी, स्विट्जरलैंड ने तेहरान में दूतावास अस्थायी रूप से बंद

वाशिंगटन ,16 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहा ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब तेरहवें दिन में प्रवेश कर चुका है। होमुर्ज में जहाजों पर हमले जारी है। पूरा क्षेत्र तनाव की चपेट में है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का युद्ध को लेकर सख्त रवैया और खाड़ी देशों में बढ़ता संघर्ष, वैश्विक राजनीति के लिया बड़ा संकट साबित होता दिख रहा है। भारत ने कहा है कि तेजी से बदलती परिस्थितियों पर सरकार की पैनी नजर है। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़े तमाम पल-पल अपडेट्स...होर्मुज से भारतीय तेल टैंकरों के लिए रास्ता खोला

सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरानी समकक्ष अब्दुल्ला अब्बास अराघची के बीच हुई बातचीत के बाद ईरान ने होर्मुज जलसंधि से दो भारतीय तेल टैंकरों (पुष्पक और परिमल) के गुजरने की अनुमति दी है।कुवैत में ड्रोन हमले में दो घायलकुवैत की रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आज सुबह दक्षिणी इलाके में एक दुश्मन ड्रोन ने आवासीय भवन को निशाना बनाया। मंत्रालय के एक्स पोस्ट के अनुसार, इस हमले में कम से कम दो लोग घायल हुए और उन्हें आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। इसके अलावा हमले से भवन और संपत्ति को भी सामग्रीगत नुकसान हुआ है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका और इस्त्राइल के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए तीन अहम शर्तें रखीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बातचीत में मैंने क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए ईरान की प्रतिबद्धता दोबारा पक्की की। ईरान के राष्ट्रपति का शांति और युद्ध समाप्ति पर दिया बयान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा है कि उन्होंने रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बातचीत में क्षेत्र में शांति बनाए रखने की ईरान की प्रतिबद्धता दोबारा जताई है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान संघर्ष को समाप्त करने का एकमात्र तरीका ईरान के वैध अधिकारों को मान्यता देना, हानियों के लिए मुआवजा देना और भविष्य में किसी भी आक्रमण को रोकने के लिए ठोस अंतरराष्ट्रीय गारंटी प्राप्त करना है। उनके अनुसार यह युद्ध जायनिस्ट शासन और अमेरिका की शुरूआत का परिणाम है और

तभी इसे रोका जा सकता है जब इन शर्तों को स्वीकार किया जाए। यूएई के पास कंटेनर जहाज पर मिसाइल हमले से लगी आगयूनाइटेड किंगडम की मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस एजेंसी ने बताया कि यूएई के जेबल अली से लगभग 35 समुद्री मील उत्तर में एक कंटेनर जहाज पर हमला हुआ। एजेंसी के अनुसार जहाज के कप्तान ने रिपोर्ट दी है कि जहाज को अज्ञात प्रक्षेप्य ने निशाना बनाया, जिससे जहाज पर छोटी आग लगी। अंधेरे के कारण पूरी क्षति का आकलन अभी संभव नहीं है। सभी चालक दल सुरक्षित हैं।खाड़ी में ईरान के हमलों की निंदा में यूएन सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव पारितसंयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने खाड़ी देशों और जॉर्डन पर ईरान के हमलों की निंदा करने वाला प्रस्ताव पारित किया और तेहरान से तुरंत शत्रुता रोकने की मांग की। इस प्रस्ताव पर बुधवार को सुरक्षा परिषद के 15 में से 13 सदस्यों ने सहमति जताई। यह प्रस्ताव खाड़ी सहयोग परिषद द्वारा प्रस्तुत किया गया था और 135 अन्य सदस्य राज्यों ने सह-प्रायोजक के रूप में इसका समर्थन किया। जबकि चीन और रूस ने मतदान से बचाव किया, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को रोकने के लिए अपने वीटो अधिकार का प्रयोग नहीं किया।कुवैत ने दुश्मन ड्रोन को रोकने का दावा किया

कुवैत के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सौद अल-ओतैबी ने बताया कि देश की वायु सुरक्षा बलों ने आज सुबह कई दुश्मन ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। अल-ओतैबी ने कहा कि ये ड्रोन आज सुबह के समय कुवैत के उत्तरी क्षेत्र में देश की हवाई सीमा का उल्लंघन कर रहे थे। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सभी ड्रोन को समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया और किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और किसी अफवाह पर ध्यान न देने का आग्रह किया।

इस्त्राइल के बमबारी हमले में बेरुत में मृतकों की संख्या बढ़ी, 31 घायललेबनान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस्त्राइल की ओर से रामलेट अल-बैदा क्षेत्र पर किए गए हवाई हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है, जबकि 31 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मंत्रालय के अनुसार, घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि राहत और बचाव कार्य जारी हैं और प्रभावित इलाकों की निगरानी बढ़ा दी गई है।स्विट्जरलैंड ने तेहरान में दूतावास अस्थायी रूप से बंद कियापश्चिम एशिया में हाल के सैन्य संघर्ष और बढ़ते सुरक्षा खतरों को देखते हुए स्विट्जरलैंड सरकार ने तेहरान (ईरान) में अपना दूतावास अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। यह कदम ईरान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि वहां तैनात कूटनीतिक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्विट्जरलैंड के फेडरल डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन अफेयर्स (एफडीएफए) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि तेहरान में जारी मध्य पूर्व युद्ध और सुरक्षा जोखिमों के चलते दूतावास को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है और वहां मौजूद सभी अधिकारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। दूतावास के प्रमुख राजदूत ओलिवियर बेंजर्टर और पांच अन्य स्टाफ सदस्य 11 मार्च को सड़क मार्ग से ईरान से बाहर आ गए हैं और फिलहाल सुरक्षित स्थान पर हैं। इससे पहले इस माह के शुरुआती दिनों में चार अन्य कर्मचारी भी ईरान छोड़ चुके थे। उन सभी को सुरक्षा के मद्देनजर निकाल लिया गया है।ईरान से दागी गई मिसाइलों पर इस्त्राइल की प्रतिक्रियाइस्त्राइली सेना ने बताया है कि वह ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों के जवाब में कार्रवाई कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक पोस्ट में इस्त्राइली सेना ने कहा कि कुछ समय पहले ईरान से इस्त्राइल की सीमा की ओर मिसाइलें दागी गई थीं। सेना के अनुसार, इस्त्राइल की रक्षा प्रणाली इन खतरों को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। और मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने की कोशिश की जा रही है। इसी बीच इस्त्राइल के होम फ्रंट कमांड ने नागरिकों को निर्देश दिया है कि वे तुरंत सुरक्षित शेल्टर में चले जाएं और जब तक आधिकारिक तौर पर बाहर निकलने की अनुमति न दी जाए, तब तक वहीं रहें।

ट्रंप की ईरान को धमकी, कहा- अमेरिकी मांगों को नहीं माना तो नए सुप्रीम लीडर का होगा खात्मा

वॉशिंगटन,16 मार्च। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को धमकी दी है। ट्रंप चाहते हैं कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम तुरंत बंद करे। अगर मुजतबा ने इससे इनकार किया, तो ट्रंप उनकी हत्या का समर्थन करेंगे।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा बयान दिया है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा है कि अगर मुजतबा अमेरिकी मांगों को नहीं मानते, तो वह उनकी हत्या का समर्थन करेंगे। अमेरिका की मांग यह है कि ईरान अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे। अगर मुजतबा ने इससे इनकार किया, तो ट्रंप नए लीडर को खत्म करने के लिए तैयार हैं।अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस काम को इस्त्राइली सेना अंजाम दे सकती है। यह ठीक वैसा ही होगा जैसा 28 फरवरी को मुजतबा के पिता अली खामेनेई के साथ हुआ था। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि वह ईरान के इस चुनाव से बिल्कुल खुश नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मुजतबा खामेनेई अब शांति से नहीं रह पाएंगे।ट्रंप का मानना है कि ईरान के अगले नेता को चुनने में अमेरिका की भी राय होनी चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला में अमेरिकी दखल से की। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, दिवंगत नेता अली खामेनेई ने अपनी वसीयत में साफ लिखा था कि उनका बेटा उनका उत्तराधिकारी न बने। इसके बावजूद, ईरान की ताकतवर सेना (आईआरजीसी) ने मुजतबा को इस पद पर बैठा दिया। जानकारों का कहना है कि खुद अली खामेनेई को अपने बेटे की काबिलियत पर शक था।56 साल के मुजतबा ने इस पद से पहले कभी किसी सरकारी ओहदे पर काम नहीं किया। वह हमेशा अपने पिता के करीबी घेरे में रहकर पर्दे के पीछे से सत्ता चलाते थे। अमेरिकी दस्तावेजों में उन्हें पर्दे के पीछे की असली ताकत बताया गया है। उन पर पहले भी चुनावों में धांधली करने के आरोप लग चुके हैं। इस्त्राइली सेना ने भी साफ कर दिया है कि जो भी ईरानी नेता आतंकवाद को बढ़ावा देगा, वह उनके निशाने पर रहेगा।

जो मजा डुबोने में है, वो पकड़ने में कहां, ईरानी युद्धपोतों पर हमले के बाद बोले डोनाल्ड ट्रंप, 87 लोगों की हुई थी मौत

वाशिंगटन ,15 मार्च। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच पिछले दस दिनों से जारी सैन्य तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति छ्श्वठ्ठड्डद्यस्त्र ञ्जह्म्ह्वद्वश्च का एक बयान विवादों में आ गया है। हाल ही में ट्रंप ने ईरान के युद्धपोत ढ्ढक्रढ्ढस्-ष्ठद्गठ्ठड्ड को डुबोए जाने की घटना पर ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हो रही है।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने उनसे कहा था कि जहाजों को पकड़ने से ज्यादा मजेदार है, उन्हें तबाह कर देना या डुबोना। ट्रंप ने अमेरिकी सेना के साथ बातचीत के बारे में बताते हुए कहा कि जहाज को डुबोना ज्यादा मजेदार है। उन्हें उसे डुबोना ज्यादा पसंद है।

वे कहते हैं कि उसे डुबोना ज्यादा सुरक्षित है। मुझे लगता है कि यह शायद सच है।दरअसल पिछले सप्ताह अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा किए गए हमले में ईरान का युद्धपोत ढ्ढक्रढ्ढस्-ष्ठद्गठ्ठड्ड डूब गया था। बताया गया कि इस हमले में कम से कम 87 ईरानी सैन्यकर्मियों की मौत हुई। यह जहाज भारत की मेजबानी में आयोजित बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास स्ढ्ढरुड्ड्र ठ्ठ1ड्डद्य द्ग×द्गह्म्ष्द्बह्यद्ग में भाग लेने के बाद अपने देश लौट रहा था।ईरान ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। ईरान के उप विदेश मंत्री स्ड्डद्गद्गस्त्रच्द्धड्डह्लद्यड्ढ5ड्डस्त्रद्गद्ध ने कहा कि बिना हथियार वाले जहाज पर हमला अस्वीकार्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस घटना का उचित जवाब दिया जाएगा।

हॉर्मुज के पास संकट गहराया : अमेरिका ने तबाह किए ईरान के 16 माइन बिछाने वाले जहाज, ट्रंप ने चेतावनी भी दी

तेहरान/वॉशिंगटन ,16 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्र में बड़ी सैन्य कार्रवाई का दावा किया है। अमेरिकी सेना के मुताबिक हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान की कई नौकाओं को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया। इन नौकाओं का इस्तेमाल समुद्र में बारूदी सुरंगें (नेवल माइन) बिछाने के लिए किया जा सकता था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 10 मार्च को अमेरिकी बलों ने ईरान की कई नौसैनिक नौकाओं पर हमला किया। इन नौकाओं में कथित तौर पर 16 ऐसी नावें शामिल थीं, जिनका उपयोग समुद्री माइन बिछाने में किया जा सकता था। कमांड ने इस सैन्य कार्रवाई का एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें समुद्र में किए गए हमलों के दृश्य दिखाई देते हैं।अमेरिका के पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी प्रकार की समुद्री माइन बिछाई गई हैं तो उन्हें तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करने पर अमेरिका की सैन्य प्रतिक्रिया बेहद कठोर हो सकती है। ट्रंप ने यह भी कहा कि यदि ईरान संभावित रूप से लगाए गए विस्फोटकों को हटा देता है तो इससे क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जाएगा।अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में बारूदी सुरंगें तैनात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अधिकारियों का मानना है कि संभव है सीमित संख्या में माइन पहले ही पानी में डाली जा चुकी हों।हॉर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच स्थित दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक है। वैश्विक स्तर पर कारोबार होने वाले कुल तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा प्रतिदिन इसी रास्ते से गुजरता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी तरह का सैन्य तनाव वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर बड़ा असर डाल सकता है।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बाद विशेषज्ञों ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को व्यावसायिक जहाजों के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र बताया है। ईरान की नौसेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्रष्ट) पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाया जा सकता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव आने वाले दिनों में वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार को प्रभावित कर सकता है।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई सही घर में घिरे ट्रंप, सर्वे में अमेरिका के लोगों का चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन ,16 माच क्या ईरान पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई सही कदम है या अमेरिका खुद जोखिम में है? नए सर्वे में सामने आया है कि अधिकांश अमेरिकी इस फैसले से असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। क्या ट्रंप का फैसला देश को सुरक्षा देगा या संकट बढ़ाएगा?ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को लेकर अमेरिका में जनता की राय बंटी हुई है। नए सर्वे बताते हैं कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं और उन्हें डर है कि इससे देश पहले से अधिक असुरक्षित हो सकता है। राजनीतिक ध्रुवीकरण भी साफ दिख रहा है जहां रिपब्लिकन मतदाता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के साथ खड़े हैं, वहीं डेमोक्रेट और स्वतंत्र मतदाता चिंता और विरोध में हैं।सर्वे रिपोर्ट में क्या सामने आयाक्विनिपियाक यूनिवर्सिटी के सर्वे में लगभग 53% रजिस्टर्ड वोटर्स ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विरोध किया, जबकि 40% ने समर्थन किया और 10% ने स्पष्ट राय नहीं दी। इप्सोस, वाशिंगटन पोस्ट और ष्टह्लह्ल के सर्वे में भी यही रुझान दिखा कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं। इसके विपरीत, फॉक्स न्यूज के सर्वे में मत लगभग बराबर बंटा हुआ दिखा, जहां आधे मतदाताओं ने समर्थन किया और आधे ने विरोध।सुरक्षा और तेल की कीमतों को लेकर चिंताक्विनिपियाक के सर्वे में 55% लोगों ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान ने अमेरिका के लिए तत्काल कोई सैन्य खतरा पैदा किया। वहीं, फॉक्स न्यूज के सर्वे में 60% मतदाताओं ने माना कि ईरान अमेरिका के लिए वास्तविक खतरा है।अमेरिकियों को तेल और गैस की कीमत बढ़ने का डर भी सताता है। इप्सोस के 6-9 मार्च सर्वे में लगभग दो-तिहाई लोगों ने कहा कि आने वाले एक साल में पेट्रोल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं में भी इस बात की चिंता देखी गई।अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा और विश्वासक्विनिपियाक और फॉक्स न्यूज के अनुसार लगभग आधे मतदाता मानते हैं कि ईरान पर सैन्य कार्रवाई से अमेरिका कम सुरक्षित हो सकता है,

जबकि लगभग 30% का मानना है कि इससे देश सुरक्षित हुआ। ष्टह्लह्ल के सर्वे में करीब 60% लोगों ने ट्रंप पर भरोसा कम या बिल्कुल नहीं होने की बात कही। शिकागो यूनिवर्सिटी के एनओआरसी सर्वे में भी 56% अमेरिकी विदेशों में सैन्य कार्रवाई को लेकर ट्रंप के फैसलों पर भरोसा कम दिखा रहे हैं।जमीनी सैनिक भेजने को लेकर मतक्विनिपियाक के सर्वे में तीन-चौथाई मतदाता ईरान में अमेरिकी जमीनी सैनिक भेजने के खिलाफ हैं। केवल 20% लोग इस कदम के पक्ष में हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं में भी 52% सैनिक भेजने के खिलाफ हैं, जबकि 37% इसका समर्थन करते हैं। हाल ही में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौत की खबर ने सार्वजनिक चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि सरकार पहले से यह तय नहीं बता सकती कि यह संघर्ष कितनी दूर तक जाएगा।

अमेरिका में 50 साल बाद खुलेगी पहली ऑयल रिफाइनरी, रिलायंस इंडस्ट्रीज होगी साझेदार

वाशिंगटन ,16 मार्च। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है उनके देश में पचास साल बाद बनने वाली 300 अरब डॉलर की पहली तेल रिफाइनरी में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज़ समूह साझेदार होगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा, इस ज़बरदस्त निवेश के लिए भारत में हमारे साझेदार और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, रिलायंस को धन्यवाद।

ट्रंप ने कहा, अमेरिका असली ऊर्जा प्रभुत्व की ओर लौट रहा है , आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग, ब्राउन्सविले, टेक्सास में 50 साल में पहली नई अमरीकी तेल रिफाइनरी खोल रही है। यह एक ऐतिहासिक 300 अरब डॉलर की डील है — अमरीकी इतिहास की सबसे बड़ी, अमेरिकी लोगों, ऊर्जा और दक्षिण टेक्सास के लोगों के लिए एक बड़ी जीत।उन्होंने आगे कहा- यह हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडा, परमिट को आसान बनाने और कर कम करने की वजह से है, जिसकी वजह से हमारे देश में अरबों डॉलर की डील वापस आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविले पोर्ट पर एक नई रिफाइनरी, अमरीकी बाजार को बढ़ावा देगी, इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी, अमेरिकन ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाएगी और अरबों डॉलर की अर्थव्यवस्था पर असर डालेगी।

सम्पादकीय...

वांगचुक की रिहाई

आखिरकार गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम हटाने से जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई हो गई है। वांगचुक गत वर्ष सितंबर से जोधपुर जेल में बंद थे, जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दल व विभिन्न सामाजिक संगठन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे हैं। अब सरकार की दलील है कि यह फैसला लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिये लिया गया है। वहीं विपक्षी राजनीतिक दलों का कहना है कि 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होनी थी। गिरफ्तारी का आधार मजबूत न होने पर केंद्र सरकार को उन्हें रिहा करने को बाध्य होना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, अभिनव शैक्षिक व वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए चर्चित सोनम वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बीते साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, वे लंबे समय से लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने वाले आंदोलन से जुड़े रहे। उन्होंने कई बार अनशन किया। पदयात्रा के जरिये दिल्ली पहुंचकर भी उन्होंने अनशन किया था। लेकिन सितंबर में आंदोलन के हिंसक होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं केंद्र सरकार की दलील है कि क्षेत्र के लोगों की मांगों का समाधान निकालने के लिये लद्दाख के अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से निरंतर बातचीत के प्रयास जारी हैं। साथ ही लद्दाख के लिये सभी जरूरी सुरक्षा उपाय करने की बात कही गई है। वहीं विपक्षी दल सवाल पूछ रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तारी की तार्किकता क्या थी? क्या लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात कहने की आजादी का अतिक्रमण नहीं हो रहा है? नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों ने वांगचुक को उनके ठंडे प्रदेश लद्दाख से 1400 किमी दूर गर्म प्रदेश राजस्थान की जोधपुर जेल में रखने पर भी सवाल उठाये थे। उल्लेखनीय है कि बीते माह शीर्ष अदालत ने भी सोनम वांगचुक की खराब सेहत के मद्देनजर, उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने को कहा था। दरअसल, बार-बार पेटदर्द की शिकायत पर उनकी पत्नी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच करवाने के लिये आवेदन किया था। साथ ही कोर्ट से मासिक स्वास्थ्य रिपोर्ट की भी मांग की थी। तब शीर्ष अदालत की पीठ ने टिप्पणी की थी कि यदि हिरासत के आदेश में कानूनी त्रुटियां हैं तो इसे रद्द भी किया जा सकता है। वहीं सरकार की दलील थी कि आंदोलन को हिंसक बनाने में भूमिका के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लागू करने के पर्याप्त कारण मौजूद थे। वहीं विपक्षी कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि वांगचुक को 170 दिन हिरासत में रखने का हिसाब कौन देगा? वे इस मामले में केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। अन्य विपक्षी दल भी इस रिहाई के बाद केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के बेजा इस्तेमाल के आरोप लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि लद्दाख के पर्यावरण व हक की मांग उठाने की कीमत वांगचुक ने चुकाई है।

ईरान हार कर भी जीत जाएगा

पंकज शर्मा

युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा।

दुनिया भर को हर वक़्त अपनी धौंसबाज़ी के तेवर दिखाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान से उलझने के बाद भीतर से इतने भयभीत हो गए हैं कि अंडे के आकार वाले अपने दफ़्तर में आसपास खड़े पादरियों के साथ थरथर मुद्रा में बैठे पूजा-पाठ कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से चुनींदा पादरियों को ओवल ऑफिस बुलाया। पादरियों ने अपने हाथ ट्रंप के बदन पर रखे और प्रार्थना की कि 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में उन्हें 'अलौकिक मार्गदर्शन' और 'बुद्धिमत्ता' हासिल हो। अमेरिकी सेना की हिफ़ाज़त के लिए भी पादरियों ने विशेष आराधना की। ट्रंप अर्चना-वंदना की पूरी अवधि में अपनी कुर्सी पर सिर झुका कर बैठे रहे और मन-ही-मन कुछ बुदबुदाते रहे।

इस पूजन के मुख्य पादरी टॉम मुलिन्स थे। वे दक्षिण फ्लोरिडा के क्राइस्ट फैलोशिप चर्च के संस्थापक हैं। पादरी बनने के पहले वे फुटबॉल-कोच थे। पॉम बीच गार्डन्स में रहते हैं। ट्रंप का मूल निवास मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्लब भी पॉम बीच गार्डन्स में ही है। पूजा-पाठ के बारे में मुलिन्स ने बताया है कि हम ने परमपिता से प्रार्थना की है कि वे ट्रंप के दिलो-दिमाग को इस मौक़े पर विवेक-बुद्धि से ओतप्रोत रखें। हम ने देवलोक से यह अनुरोध भी किया है कि वह अमेरिकी सेना की रक्षा करे।

लक्षण साफ हैं। ट्रंप बाहर से दहाड़ रहे हैं, मगर अंदर-ही-अंदर ख़ुद की मिमियाहट ख़ुद ही सुन रहे हैं। उन्हें अहसास हो गया है कि ईरान के मामले में वे बुरी तरह फंस गए हैं। ईरान को ले कर उन का आकलन ग़लत निकल गया है। तबाह होते ईरान ने इज़राइल को भी बर्बाद करने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखी है। अरब और खाड़ी के मुल्क़ों में जितने भी अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, उन्हें ईरान ने तक़रीबन ध्वस्त कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन को ईरान की तरफ़ से इतने असरदार प्रतिकार का अंदाज़ नहीं था। सो, अब ट्रंप को लग रहा है कि उन्होंने इज़राइली प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के चक्कर में अच्छी-ख़ासी मुसीबत मोल ले ली है।

ईरान-प्रसंग में अमेरिका दुनिया में अकेला-सा पड़ गया है और ट्रंप अमेरिका में अकेले पड़ गए हैं। अमेरिकी संसद से ले कर वहां की सड़कों तक पर ट्रंप विरोधी माहौल है। उन्हें अमेरिका को नाहक एक परेशानी में फंसाने के लिए ज़िम्मेदार माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्रसंघ भी ईरान युद्ध की बेहद सख़्ती से निंदा कर चुका है। ज़्यादातर देश ईरान पर हमले को अनुचित बता चुके हैं। इन में वे देश भी शामिल हैं, जो आमतौर पर अमेरिका के हमजोली और हमसफ़र माने जाते हैं। ज़ाहिर है कि इस सब ने ट्रंप के आत्मविश्वास को भीतर से बुरी तरह हिला दिया है और वे पालनहारे की शरण में चले गए हैं। 'तेरे बिन हमरा कौनो नाहीं' की यह मनोदशा किन परिस्थितियों में व्यक्ति का आलिंगन करती है, आप जानते ही हैं।

युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। ईरान युद्ध से दुनिया भर में उस की दादागीरी का, उस की धौंसपट्टी का, उस की लुच्चागिरी का अंतिम अध्याय लिखा जा रहा है। यह युद्ध ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीतिक यात्रा पर भी पूर्ण विराम लगाने वाला साबित होगा।

ईरान युद्ध से किस-किस की अर्थव्यवस्था पर क्या-क्या असर पड़ेगा, इस का विश्लेषण अलग-अलग विशेषज्ञ हर रोज़ कर रहे हैं। युद्ध के नफ़ा-नुक़्सान पर 'जाकी रही भावना जैसी' के आवरण से झांकती टिप्पणियां हम आजकल दिन-रात सुन-पढ़ रहे हैं। इस युद्ध से पूरी दुनिया पर होने वाले तरह-तरह के प्रभावों को हम आने वाले दिनों में देखेंगे-भुगतेंगे। मगर जो सब से बड़ा और तक़रीबन अमिट असर यह युद्ध छोड़ कर जाएगा, वह यह होगा कि दशकों-दशक लोग यह याद करेंगे कि, अमेरिका और इज़राइल तो छोड़िए, किस तरह अपने-अपने स्वार्थ साधने की हवस में किन-किन मुल्क़ों ने नैतिकता और न्याय के सिद्धांतों को उठा कर ताक पर रख दिया था?

अर्थवान लोग कभी नहीं भूलेंगे कि कैसे, जब शांति वार्ताएं जारी थीं और चौबीस घंटे बाद एक समझौते पर दस्तखत करने के आसार पूरी तरह बन गए थे, तब अमेरिकी बघेरे ने ईरानी मेमने पर खराब हो गई अपनी नीयत को एकदम नंगा कर दिया और कौन-कौन फिर भी तमाशबीन बना रहा? कैसे, जब तमाम अंतरराष्ट्रीय नियम-परंपराओं को लात मार कर किनारे कर देने के बाद एक सार्वभौम मुल्क़ के सर्वोच्च नेता की हत्या कर दी गई तो किन-किन की ज़ुबान से अफ़सोस के दो लफ़्ज़ भी नहीं निकले? कैसे जब भारत का मेहमान बन कर आए हथियारविहीन ईरानी युद्धपोत को अपने घर वापस जाते वक़्त अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में टारपीडो से ध्वस्त कर दिया तो, बाकी तो छोड़िए, मेज़बान तक की ज़बान भी ख़ामोश ही बनी रही?

लोग याद करेंगे कि एक ऐसा भी वक़्त था, जब पांच-छह हज़ार बरस पुरानी सभ्यता को अपने में समाए एक मुल्क़ के अनीतिपूर्ण विध्वंस पर, उतनी ही पुरानी सभ्यता की विरासत वाले एक देश में ऐसे लोग भी मौजूद थे, जिन की ख़ुशी का कोई ठिकाना नहीं था। वे इस बर्बादी का ज़श्न मना रहे थे। कौन भूलेगा कि विश्व राजनय के मूल्यों, परंपराओं और पवित्रता का जब पूरी निर्लज्जता से चीरहरण हो रहा था तो यह दृश्य देख कर भी किस-किस की पराक्रमी छाती सिकुड़ कर चूं-चूं बन गई थी? मुझे तो अच्छी तरह याद है। आप को भी याद है न कि जब अलगू चौधरी अपने दोस्त जुम्मन शेख के ख़िलाफ़ फ़ैसला देने से हिचकिचा रहा था तो खाला जान ने उस से क्या सवाल किया था? खाला जान ने पूछा था, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर में खाला जान का यह प्रश्न इतिहास का सब से मार्मिक प्रश्न है। यही प्रश्न आज मुझे अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के सिर पर मंडराता दिख रहा है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

तेल-गैस संकट के समय आत्मनिर्भर क्यों नहीं बने?

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया में जब भी मध्य-पूर्व में तनाव या युद्ध की स्थिति बनती है, तब सबसे पहले तेल-गैस की कीमतों पर असर पड़ता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, ऐसे समय में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी भारत तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया?

सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के पास सीमित प्राकृतिक तेल-गैस भंडार हैं। देश में कुछ क्षेत्रों—जैसे समुद्री तटों और पूर्वोत्तर राज्यों—में तेल-गैस मिलती है, लेकिन यह हमारी बढ़ती जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। आज भी भारत अपनी लगभग 80-85 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत विदेशों से आयात करता है। दूसरा कारण यह है कि ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक विकास, बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि के कारण तेल-गैस की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू उत्पादन इस गति से नहीं बढ़ पाया।तीसरा कारण नीतिगत और तकनीकी चुनौतियाँ भी रही हैं। कई बार तेल-गैस की खोज और उत्पादन के लिए पर्याप्त निवेश, आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी समय पर नहीं बढ़ पाई। इसके कारण संभावित भंडारों का पूरा उपयोग नहीं हो सका।

हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना, जैव-ईंधन (एथेनॉल) का उपयोग बढ़ाना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना और नए तेल-गैस क्षेत्रों की खोज करना इसी दिशा के प्रयास हैं।स्पष्ट है कि तेल-गैस में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों और घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर भारत अपनी निर्भरता जरूर कम कर सकता है। यही भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता भी है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों और घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ

देश में बार-बार उभरने वाला तेल-गैस संकट यह संकेत देता है कि केवल आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना लंबे समय तक सुरक्षित रणनीति नहीं हो सकती। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढने या भू-राजनीतिक तनाव होने पर देश की अर्थव्यवस्था तुरंत प्रभावित हो जाती है। ऐसे में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।सबसे पहले, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्त्रोतों का तेजी से विस्तार करना होगा। भारत भौगोलिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए बेहद अनुकूल देश है। अगर गांव-गांव में रूफटॉप सोलर प्लांट और बड़े सौर पार्क स्थापित किए जाएँ तो बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा स्वदेशी और स्वच्छ स्त्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसी तरह तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानों में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम घरेलू तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाने का है। इसके लिए नई खोज, आधुनिक तकनीक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। समुद्री क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक इलाकों में ऊर्जा संसाधनों की खोज के लिए सरकार को स्पष्ट नीतियाँ और आसान नियम बनाने होंगे, ताकि घरेलू उत्पादन में तेजी आ सके।इसके साथ-साथ जैव ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी ऊर्जा नीति का अहम हिस्सा बनाना होगा।एथेनॉल मिश्रण, बायोगैस प्लांट और कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रयास न केवल ऊर्जा संकट को कम करेंगे बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं।अंततः ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल सरकारी नीतियों से ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी से भी संभव है। ऊर्जा की बचत, सौर ऊर्जा अपनाने और स्वच्छ तकनीक के उपयोग में आम नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि सरकार, उद्योग और समाज मिलकर प्रयास करें तो भारत न केवल ऊर्जा संकट से उबर सकता है, बल्कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम भी बढ़ा सकता है।

घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, तेल-गैस संकट और आपूर्ति श्रृंखला में बार-बार आने वाली बाधाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का आधार उसका मजबूत घरेलू उत्पादन होता है। यदि भारत को दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को मजबूत करना आवश्यक है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करता है और स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाता है। सरकार को इन उद्योगों को सस्ती पूंजी, तकनीकी सहायता और आसान नियम उपलब्ध कराने चाहिए।दूसरा महत्वपूर्ण कदम कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना है। यदि कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण देश में ही बड़े पैमाने पर होगा, तो किसानों की आय भी बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता भी कम होगी।तीसरा, तकनीक और नवाचार को उत्पादन से जोडना जरूरी है। आधुनिक मशीनों, डिजिटल तकनीक और अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई जा सकती हैं।इसके अलावा सरकार को स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहल तभी सफल होगी जब उपभोक्ता भी स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें।घरेलू उत्पादन बढ़ाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि उद्योग, किसान और उपभोक्ता—सभी की साझा भागीदारी से ही यह संभव है। यदि सही नीतियों और जनसहयोग के साथ प्रयास किए जाएँ, तो भारत न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि वैश्विक बाजार में भी मजबूत स्थान बना पाएगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

दो किलो गाली का मोल

निर्मल असो

वजन को देखना आसान है, लेकिन तोलना उतना ही कठिन। आजकल सोने को तोलते देखकर हम अपने वजन का अंदाजा लगा सकते हैं। अमूमन आम आदमी का वजन तो सब्जीवाला भी घटा देता है। उस दिन पाव भर जलेबी के आगे आम खरीददार कमजोर दिखाई दे रहा था। किलो भर खरीदने की उसकी चाह मोल भाव करते-करते आधा रह गई। चाहत भी अजीब सा वजन रखती है। सरकार का मानना ही जनता की उमंगें लगातार भारी पड़ रही हैं, इसलिए इनका वजन रोकने के लिए जांच शुरू हो गई। सरकारी नौकर भागे-भागे और अपना वजन बचाते-बचाते यह सुनिश्चित कर रहे थे कि कहीं आम जनता की चाह या उमंग भारी न हो जाए। तभी उन्हें एक टूटी-फूटी झोंपड़ी में एक फटेहाल व्यक्ति मिला। उसके सपने तौले गए। आश्चर्य यह कि दो कौड़ी के व्यक्ति के सपने भारी निकले। कितनी ही सरकारों के सपने उसके साथ सोये हुए थे। अधिकारी ने भारी गाली देकर झोंपड़ी वाले को सपनों से दूर हल्का करने का सोचा, लेकिन उस गरीब पर भारी गाली, भारी न पड़ी। गरीब के पास आकर गालियां इतनी हल्की हो गईं कि अधिकारी ही थक गया। गरीब के पास गाली तो क्या मुफ्त के राशन का वजन भी हल्का हो रहा था। गरीब के ऊपर आजादी और नीतियों का वजन इतना बढ़ गया है कि उसे सरकार पर कर्ज का बोझ हल्का लगने लगा है। झोंपड़ी का सर्वेक्षण करके लौटी टीम को हैरानी हुई कि जन्म से गालियां खा रहे गरीब झोंपड़ी वाले को मालूम नहीं कि ये कितनी भारी हैं। देश में भ्रष्टाचार और न्याय का वजन मेल नहीं खा रहा। कोई भी जज यह साबित नहीं कर पा रहा कि उसके फैसलों का कितना वजन है, लेकिन एक नेता ने अदालत में एक अद्भुत मामला उठा दिया कि वह हर दिन दो किलो गालियां खाता है। अदालत में विपक्ष के खिलाफ यह साबित होना था कि सत्तारूढ़ नेता को दो किलो गालियां दी जाती हैं। न्याय का तराजू पहले अपना वजन ही नहीं उठा रहा था, तो इसके ऊपर गाली चढ़ाना तो अवमानना का सबब हो जाता। मुसीबत में अदालत ने नेता से ही पूछ लिया, गाली कैसे तौलते हो।' नेता ने अपने भीतर के वजनी विश्वास से उत्तर दिया, 'जनाब! मेरी जुबान गाली को तौल लेती है। मैं अपने पक्ष और विरोध को अपनी ही जुबान से तौल कर दुनिया को बता देता हूं। अब मामला न्याय की जीत, नेता की जुबान और गालियों के वजन का था, तो सरकारी खर्च पर टेंडर हुए, ताकि पता चले कि सत्तारूढ़ दल के नेता को कितनी गालियां मिलीं। कुछ न्यूज चैनलों ने दावा किया कि वे गालियां तौल सकते हैं, मगर अदालत में इसी पर बहस का एक लाइव शो करना पड़ेगा। आखिर गालियों पर एक दिन अदालत में न्यूज चैनल बहस करने लगा। नेता ने कार्यक्रम प्रायोजित किया था, लिहाजा विपक्षी पैनल पर पहले ही आरोप तय थे कि हर रोज दो किलो गाली दे रहा है। आरोप गहरा और एंकर जोरदार था, इसलिए अदालत को भी यकीन हो गया कि जहां भी सत्ता का विरोध होता है, वहां हर तर्क गाली और हर गाली का वजन हो जाता है।

उत्पादन, परिवर्तन और विविधीकरण: भारत ने किस प्रकार अपनी ऊर्जा प्रणाली को गतिशील बनाया

आम तौर पर, संरचनात्मक ऊर्जा परिवर्तन शायद ही कभी आरामदायक समय के दौरान होते हैं। वे तब होते हैं जब किसी संकट की लंबे समय तक अनदेखी की जाती है और उसके प्रति निष्क्रिय भाव रखा जाता है। यद्यपि, पिछले 11 वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने इसके विपरीत काम किया है। इसने ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन किए, तब भी जब परिस्थितियां प्रतिकूल नहीं थीं। इसने भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों को सहन करने के प्रति अधिक क्षमता निर्माण में सक्षम बनाया। मोदी सरकार ने घरेलू उत्पादन का विस्तार करके, नए ऊर्जा स्त्रोतों में परिवर्तन का प्रबंधन करके और आपूर्ति स्त्रोतों में विविधता लाकर, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी झटकों का सामना करने में देश को अधिक सक्षम बना दिया है।

भारत के लिए इस समस्या का समाधान करने का मार्ग कभी भी मुश्किल नहीं था। आवश्यकता थी, इसे लगातार आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की। पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने अपनी योजनाओं पर बने रहने का निर्णय लिया। मोदी सरकार ने खुद को आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनाया है, जो अपनी समस्याओं का समाधान चाहते थी। इसकी कार्यनीति तीन स्तंभों पर टिकी हुई थी और प्रत्येक ने सरकार से एक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग की।

पहले कार्यनीति घरेलू उत्पादन की थी। पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने की कार्यप्रणाली 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आरंभ हुई थी। फिर भी कई वर्षों तक, भारत ने कोई प्रगति नहीं की और इथेनॉल उत्पादन स्थिर रहा। 2014 के बाद ही व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला के माध्यम से, भारत इस पहल की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम हुआ। मोदी सरकार के तहत, देश ने ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला आरंभ की। इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम (ईबीपी) के तहत शुरू में 2030 के लिए पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

हालांकि, 2020 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस लक्ष्य को 2025 तक विस्तारित कर दिया, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक झटकों की स्थिति में ऊर्जा आयात के प्रति देश की निर्बलता को कम करने के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। प्रयासों और नीतिगत फोकस के परिणामस्वरूप, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग 2014 में 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गया, जो 11 वर्षों में 13 गुना वृद्धि है। इथेनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून 2025 तक 661.1 करोड़ लीटर हो गया।

20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम अब सालाना लगभग 44 मिलियन बैरल कच्चे तेल को विस्थापित करता है।

दूसरी कार्यनीति सही तरीके से ऊर्जा परिवर्तन करने से संबंधित थी। मोदी सरकार ने सभी स्तरों पर देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के विकास का समर्थन किया। इसने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी, जिसने पिछले चार वर्षों में एफडीआई में 36 बिलियन डॉलर को आकर्षित किया है। प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को प्रोत्साहित करने और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ की गईं। भारत में (हाइब्रिड) ईवी का फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (फेम ड्ढ) 2015 में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था, जिससे इस क्षेत्र का सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

योजना के पहले चरण में, लगभग 2.78 लाख ईवी जोड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 59 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई। फेम इंडिया योजना के परिणाम और अनुभव के आधार पर, फेम का दूसरा चरण 2019 में आरंभ किया गया। हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर अग्रिम मूल्य में कटौती के माध्यम से उपभोक्ताओं (खरीदारों/अंतिम उपयोगकर्ताओं) को प्रोत्साहन और रियायतें प्रदान की गईं, जिससे इसे व्यापक स्तर पर अपनाने की सुविधा मिली। इस पहल ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अधिक किफायती और सुलभ बना दिया, जिससे उन्हें अपनाने में तेजी लाने में मदद मिली। इस योजना ने 16 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर सब्सिडी दी, जिससे 42.9 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई।

इसके अतिरिक्त, इस पहल के परिणामस्वरूप, 2019-20 की तुलना में 2023-24 में भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में 9.7 गुना वृद्धि हुई। वर्तमान में, भारत के ईवी बाजार में 2025-2026 में तेजी देखी जा रही है, जिसकी बिक्री 2.3 मिलियन यूनिट (कुल वाहन पंजीकरण का लगभग 8 प्रतिशत) तक पहुंच गई है।

ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में इस परिवर्तन में निर्भरता से जुड़ा जोखिम भी है। खनिज निर्भरता की जगह तेल निर्भरता के लिए बदलाव से पूर्ण ऊर्जा सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। इस निर्बलता को दूर करने के लिए, मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित करने और भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए %राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन% आरंभ किया।

तीसरी कार्यनीति, मोदी सरकार की ऊर्जा स्त्रोतों और आपूर्ति भागीदारों के विविधीकरण से जुड़ी थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बहु- संयोजन की नीति अपनाई है, जिसने भारत को अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कई राज्यों के साथ समानांतर, गहरे संबंध विकसित करने में सक्षम बनाया है। इस कूटनीतिक लोकसंपर्क ने भारत के क्रूड सोर्सिंग बेस को एक दशक पहले के 27 देशों से बढ़ाकर आज 40 से अधिक कर दिया है। इन उपायों के महत्व को समझने का एक उपयोगी तरीका यह विचार करना है कि अगर ये कदम नहीं उठाए गए होते तो स्थिति कैसी दिख सकती थी। रूस-यूक्रेन युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव जैसी घटनाओं ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि आपूर्ति श्रृंखलाएं कितनी जल्दी प्रभावित हो सकती हैं। उदाहरण के लिए विचार करें कि इथेनॉल ब्लेंडिंग जैसे घरेलू विकल्पों के विस्तार के बिना, जिसने 2014 के बाद पहले ही 190 मिलियन बैरल मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल के आयात (और 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है) को प्रतिस्थापित किया है, इस तरह के झटकों के लिए भारत का जोखिम बहुत अधिक और प्रतिकूल परिणाम होता। उस परिदृश्य में (इथेनॉल ब्लेंडिंग को प्राथमिकता नहीं देने की), वैश्विक आपूर्ति व्यवधान भारतीय घरेलू आर्थिक दबाव में बहुत तेजी से परिवर्तित हो गया होता।

अगर मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में इन नीतियों को नहीं अपनाया होता, तो इस तरह के व्यवधान भारत की ऊर्जा प्रणाली में गंभीर अस्थिरता पैदा कर सकते थे, जिसके परिणाम भारत जैसी विस्तारित अर्थव्यवस्था के लिए विनाश की सीमा तक पहुंच सकते थे। इसलिए पिछले एक दशक में किए गए सुधारों ने भारत को भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश करने में मदद की है, जिसे हम आज अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रबंधन में मजबूत बफर और अधिक लचीलेपन के साथ देख रहे हैं।

हालांकि, वे दिन जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी और एक ही समुद्री चॉकपॉइंट में स्थितियों के साथ उनमें गिरावट आ गई, अब व्यतीत हो चुके है। अब किसी एक ही गलियारे में कोई भी व्यवधान एक प्रबंधित सोर्सिंग समायोजन को बढ़ावा देता है, न कि आपूर्ति आपातकाल को बढ़ाता है। चूंकि भारतीय रिफाइनरी कम्पनियां एक निर्धारित मूल स्थान से एक निश्चित स्लेट पर निर्भर नहीं करते हैं, इसलिए यह लचीलापन देश के लिए एक प्राथमिक ऊर्जा सुरक्षा संपत्ति है। जहां होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चॉकपॉइंट बना हुआ है, भारत जहाजों का मार्ग फिर से बदल सकता है और अपनी रणनीति को अन्य ऊर्जा-निर्यातक देशों की तरफ स्थानांतरित कर सकता है। भारत आज एक दशक पहले की तुलना में वैश्विक ऊर्जा बाजारों में व्यवधानों को संभालने के लिए कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। एक ऐसी दुनिया में जहां आपूर्ति श्रृंखलाएं तेजी से अनिश्चित होती जा रही हैं, ऊर्जा स्त्रोतों और साझेदारी का एक व्यापक और अधिक विविध आधार भारत की ऊर्जा आपूर्ति गतिशीलता के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षोपाय बन गया है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) के 8वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। उन्होंने स्नातक हो रही छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल पढ़ाई का अंत नहीं, बल्कि जीवन की नई शुरुआत है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे जिज्ञासा, नवाचार और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें और अपने ज्ञान व तकनीक का उपयोग समाज और देश के हित में करें।

इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रंजना झा, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन उनके जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक है, जहां वर्षों की मेहनत, समर्पण और सपनों की सफलता का उत्सव मनाया जा रहा है। आज यहां से 1,181 छात्राएं केवल डिग्री प्राप्त करने वाली विद्यार्थी नहीं हैं, बल्कि वे आने वाले कल की भाग्यविधाता हैं, जो अपने ज्ञान, कौशल और नेतृत्व क्षमता के माध्यम से समाज और देश के भविष्य को दिशा देंगी।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों ने युवाओं को इनोवेशन, रिसर्च और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान किए हैं। आईजीडीटीयूडब्ल्यू इन राष्ट्रीय पहलों के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करते हुए 'नारी सशक्तिकरण' और 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में लंबा

सफर तय किया है। 'बेटी बचाओ' से 'बेटी पढ़ाओ' तक और अब 'बेटी बढ़ाओ' के संकल्प की ओर देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि इंजीनियरिंग, प्रबंधन और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में मिली उपलब्धियों पर रुकने के बजाय वे अपने करियर, परिवार और देश की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लगातार आगे बढ़ें।मुख्यमंत्री ने 'वुमन-लेड डेवलपमेंट' (महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास) पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं अब केवल विकास की भागीदार नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता बन रही हैं। साहस और मेहनत का कोई जेंडर नहीं होता और इतिहास में हर क्षेत्र में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दिल्ली सरकार शिक्षा, कौशल, तकनीक और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जब महिलाएं शिक्षा और कौशल से सशक्त होती हैं तो न केवल उनका जीवन बदलता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास को भी नई दिशा मिलती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आईजीडीटीयूडब्ल्यू देश में महिलाओं के लिए तकनीकी शिक्षा का एक अग्रणी संस्थान बनकर उभरा है। यह संस्था इंजीनियरिंग, विज्ञान और तकनीक, वास्तुकला और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं है, बल्कि भविष्य की महिला वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्यमियों और नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने वाला सशक्त मंच है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने कहा कि यह अवसर केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं, बल्कि दुनिया को यह संदेश देने का है कि आज की युवा महिलाएं भविष्य की निर्माता, नवप्रवर्तक और नेतृत्वकर्ता हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज देश की राजधानी दिल्ली का नेतृत्व महिला कर रही है, जो महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं।

शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि भारत आज अमृत काल के दौर से गुजर रहा है और इस काल में महिलाओं की भागीदारी देश के विकास की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रही है। समाज में एक समय महिलाओं को पीछे रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और नेतृत्व का परिचय दे रही हैं। दिल्ली सरकार युवाओं, विशेषकर छात्राओं के लिए शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्राएं केवल डिग्री लेकर नहीं जा रहीं, बल्कि समाज को दिशा देने की जिम्मेदारी भी अपने साथ लेकर जा रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये छात्राएं अपने ज्ञान, प्रतिभा और संकल्प के माध्यम से विकसित भारत और विकसित दिल्ली के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत स्नातक हो रही छात्राओं को कुल 1,181 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 938 स्नातक (अंडरग्रेजुएट), 212 स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) और 31 पीएचडी डिग्रियां शामिल थीं। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और नेतृत्व क्षमता को सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय ने 2 चांसलर मेडल, 15 वाइस चांसलर मेडल और 26 उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार भी प्रदान किए।

घबराने की जरूरत नहीं, सरकार ने बताई अंदर की बात

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और भारत के पास इस समय पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहें न फैलाएं और फर्जी जानकारी से बचें। संसद में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में ऊर्जा की उपलब्धता पूरी तरह सुरक्षित है।उन्होंने कहा, भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति सुरक्षित है, और हमारे पास जितना तेल उपलब्ध है, वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से मिलने वाली आपूर्ति से कहीं अधिक है।पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत कूटनीतिक पहल और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की वजह से भारत ने इतना कच्चा तेल सुरक्षित कर लिया है, जो संकट के कारण प्रभावित हुए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से मिलने वाली मात्रा से भी अधिक है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत अपने ऊर्जा आयात के स्त्रोतों को विविध बना रहा है। इसके तहत देश अब सिर्फ पश्चिम एशिया पर निर्भर नहीं है और घरेलू गैस सप्लाई भी स्थिर बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात करता है, जिससे विभिन्न मार्गों के जरिए ऊर्जा आपूर्ति जारी रहती है और मौजूदा संघर्ष के बावजूद देश में ईंधन की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। पुरी ने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की पूरी सप्लाई मिलती रहे। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार देश भर के घरों तक सस्ती और बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह

राघव चड्ढा द्वारा संसद में मुद्दा उठाए जाने के बाद दूध में मिलावट पर देशभर में सख्ती, अब लाइसेंस होगा जरूरी

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। देश में दूध में मिलावट की घटनाओं को रोकने को लिए एफएसएसएआई ने बड़ा कदम उठाया और दूध उत्पादन और बिक्री के लिए लाइसेंस को अनिवार्य बना दिया। सरकारी एजेंसी ने बयान जारी कर कहा कि सभी दूध उत्पादकों तथा दूध विक्रेताओं को (डेयरी सहकारी समितियों के सदस्यों को अलावा) अपने खाद्य व्यवसाय के संचालन से पहले एफएसएसएआई के साथ अनिवार्य रूप से पंजीकरण या लाइसेंस प्राप्त करना होगा।

बयान ने आगे कहा गया कि इसका उद्देश्य दूध में मिलावट की घटनाओं को रोकना, खाद्य सुरक्षा अनुपालन को मजबूत करना तथा सुरक्षित भंडारण और स्वच्छ आपूर्ति सुनिश्चित कर जनस्वास्थ्य की रक्षा करना है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस संबंध में विशेष पंजीकरण अभियान और प्रवर्तन जांच करने के भी निर्देश दिए गए हैं। एफएसएसएआई की ओर से जारी नोट में कहा गया कि सभी राज्यों में दूध में संभावित मिलावट से संबंधित घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, पंजीकरण/लाइसेंसिंग आवश्यकताओं का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

इसके लिए केंद्रीय और सभी राज्यों की प्रवर्तन एजेंसी से अनुरोध किया जाता है कि दूध उत्पादकों तथा दूध विक्रेताओं के लाइसेंस और पंजीकरण को सत्यापित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करें। साथ ही कहा कि सभी राज्य अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में विशेष पंजीकरण अभियान चलाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी दूध उत्पादकों और दूध विक्रेताओं के पास एफएसएसएआई पंजीकरण प्रमाणपत्र/लाइसेंस उपलब्ध हो।

आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद में बोलते हुए कंपनियों पर सेहतमंद और एनर्जी बढ़ाने वाले झूठे दावों के तहत हानिकारक उत्पाद बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे रोजमर्रा की जरूरी चीजों में खतरनाक पदार्थ मिलाए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि दूध खरीदिए, उसमें यूरिया मिलता है, सब्जियों में ऑक्सीटोसिन है, पनीर में स्टार्च और कास्टिक सोडा होता है, आइसक्रीम में डिटर्जेंट पाउडर मिलता है, फलों के जूस में सिंथेटिक फ्लेवर और आर्टिफिशियल रंग होते हैं, खाने के तेल में मशीन का तेल मिलाया जाता है, मसालों में ईंट का पाउडर और लकड़ी का बुरादा होता है, चाय में सिंथेटिक रंग मिलाए जाते हैं और पोल्ट्री उत्पादों में एनाबॉलिक स्टेरॉयड मिलाए जाते हैं।

देशभर में गैस, डीजल या पेट्रोल की कोई कमी नहीं - केशव मौर्य

झांसी ,16 मार्च (एजेंसी)। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि मैंने यह बात कल भी कही थी और आज फिर दोहराता हूं। चाहे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव, दोनों ही राष्ट्र के प्रति गैर-जिम्मेदार नेता हैं। ईरान युद्ध के कारण दुनिया वैश्विक ऊर्जा के संकट का सामना कर रही है। केशव मौर्य ने कहा कि ऐसे समय में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा गैस, डीजल और पेट्रोल की कमी को दूर करने के लिए उच्चस्तरीय प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा देश में दहशत फैलाने के प्रयास निंदनीय हैं। मैं इसकी कड़ी आलोचना करता हूं और उन्हें ऐसे कृत्यों से बचने की चेतावनी देता हूं। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। सरकार वैकल्पिक विकल्पों पर भी विचार

कनाडा के साथ यूरेनियम डील पर पाकिस्तान पीटने लगा माथा

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान द्वारा भारत-कनाडा यूरेनियम आपूर्ति समझौते को लेकर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि परमाणु अप्रसार के मामले में भारत की साख बेदाग है और पाकिस्तान अपने खराब रिकॉर्ड से ध्यान भटकाने के लिए हास्यास्पद बयान दे रहा है। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के उन आरोपों का भी खंडन किया है, जिसमें कहा गया था कि भारत अफगानिस्तान को पाकिस्तान के खिलाफ भड़का रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, पाकिस्तान द्वारा दिया गया यह बयान पूरी तरह हास्यास्पद है। परमाणु अप्रसार के संबंध में भारत की साख वैश्विक समुदाय के लिए स्पष्ट है। जबकि गुप्त परमाणु प्रसार के इतिहास वाला कोई देश ऐसे बयान कैसे दे सकता है, यह अपने खराब रिकॉर्ड से ध्यान भटकाने की कोशिश मात्र है।गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में कनाडा के साथ 2.6 अरब डॉलर का दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति समझौता किया है। इसके तहत 2027-2035 तक कैमेको कंपनी भारत को दो करोड़ बीस लाख पाउंड यूरेनियम की आपूर्ति करेगी। यह सौदा भारत के नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। पाकिस्तान ने इस समझौते को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए आपत्ति जताई थी।इसके अलावा, प्रवक्ता ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के सैन्य टकरावों को लेकर भारत पर लगाए गए आरोपों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा, अपनी नापाक हरकतों के लिए भारत को दोष देना पाकिस्तान की आदत बन गई है।

पति का गुस्सा महिला ने बेटे पर उतारा, लकड़ियों के ढेर में मिली लाश

प्रयागराज ,16 मार्च (एजेंसी)। जिस मां की गोद को बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित माना जाता है, वहीं मां जब मासूम बेटे की कातिल बन जाए तो समाज सन्न रह जाता है। यूपी के प्रयागराज में सरायममरेज के पिलखिनी गांव में बुधवार शाम ऐसी ही सनसनीखेज वारदात हुई, जिसमें पति से विवाद के बाद एक महिला ने अपने चार माह के बेटे को नुकीली ईंट से प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद उसने बच्चे के शव को लकड़ियों के ढेर में छिपा दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।द्यह्लश्च ऋद्गडुस्र - खार्ग द्वीप : ईरान की आर्थिक धड़कन! जिस पर ट्रंप की चेतावनी ने बढ़ाई चिंता सरायममरेज थानाक्षेत्र के पिलखिनी गांव का पूरे जयसिंह निवासी

संतोष यादव मजदूरी करता है। पुलिस के मुताबिक, उसका पत्नी मनोरमा यादव से घरेलू बातों को लेकर अक्सर झगड़ा होता था। पिछले तीन-चार दिनों से पति-पत्नी के बीच झगड़ा बढ़ गया था। ऐसे ही झगड़े के बाद बुधवार शाम गुस्से में आकर मनोरमा ने अपने चार माह के बेटे ईश्वर पर सीमेंट की नुकीली ईंट से कई प्रहार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या को छिपाने के लिए मनोरमा ने बच्चे के शव को घर के पास टीनशेडनुमा कमरे में लकड़ियों के ढेर में महुआ के पत्तों व घासफूस से छिपा दिया और सामान्य रूप से घर के कामकाज में लग गई। काफी देर तक बच्चा नजर नहीं आने पर पति संतोष और परिजन परेशान हो गए। उन्होंने मनोरमा से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने बेटे की हत्या करने की बात कबूल कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम को भेजकर मनोरमा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मृतक बच्चे के दादा हरिलाल यादव उर्फ मुन्नीलाल की तहरीर पर नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद में लॉन्च किया अल्लू सिनेमाज, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का जताया आभार

मुंबई ,16 मार्च (एजेंसी)। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद में भारत का सबसे बड़ा डॉल्बी सिनेमा लॉन्च किया। इस लॉन्च इवेंट की कुछ तस्वीरें अभिनेता ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। पोस्ट की गई तस्वीरों में अल्लू परिवार समेत गेस्ट के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए सभी का आभार जताया। उन्होंने लिखा, अल्लू सिनेमाज की शुरुआत हो गई है। मैं इस लॉन्च के लिए माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। साथ ही, भाटी विक्रमारका, कोमाटी रेड्डी व वेंकट रेड्डी का भी सहयोग और मौजूदगी के लिए धन्यवाद। उन्होंने लिखा, इस सपने को सच करने के लिए पीछे से कड़ी मेहनत करने वाले सभी स्टाफ और टीम के सदस्यों का दिल से धन्यवाद। गीता आर्ट्स का भी खास शुक्रिया। मैं हैदराबाद में बने भारत के सबसे बड़े डॉल्बी सिनेमा का जादू अनुभव करने के लिए सभी को आमंत्रित करता हूं।

एस जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री अराघची से फोन पर की बात, ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। ईरान की ओर से मिडिल ईस्ट में जारी हमलों के बीच भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने फोन पर बातचीत की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। सोशल मीडिया प्लटफॉर्म एक्स पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिखा, कल रात ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ एक और बातचीत हुई। द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर से फोन पर चल रहे युद्ध और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर बात की है। एजेंसी के अनुसार, अराघची ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय फोरम और संगठन ईरान के खिलाफ सैन्य हमले की निंदा करें। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक फोरम के तौर पर ब्रिक्स की भूमिका और स्थिति के महत्व का जिक्र करते हुए, इस संस्था के लिए मौजूदा समय में

क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा के समर्थन में एक रचनात्मक भूमिका निभाने पर जोर दिया वहीं भारत के विदेश मंत्री ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय फोरम में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए अपने देश की तैयारी जाहिर की और इस इलाके में एक साथ जरूरत के तौर पर लंबे समय तक चलने वाली स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत करने का तरीका खोजने के महत्व पर जोर दिया।

बता दें, ईरान और भारत दोनों ही ब्रिक्स के सदस्य हैं और यह क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को सपोर्ट करने में मदद करता है। आईआरएनए ने कहा कि भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने उम्मीद जताई कि दोनों देश आपसी संबंधों को और बढ़ा सकते हैं।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी के पुलिस कमांड (फराज) ने ब्रिटेन के फारसी भाषा के चैनल ईरान इंटरनेशनल को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। तस्नीम ने चैनल को दुश्मनी फैलाने वाला, ईरान विरोधी नेटवर्क बताया है। इसमें कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने मिसाइल के असर और बमबारी की जगहों के बारे में अपने फोन में गोपनीय जानकारी रखी थी और उसे इस नेटवर्क को भेजा था।

आईआरएनए ने ईरान की रेड क्रिसेंट सोसायटी के प्रमुख के हवाले से बताया है कि अलग-अलग क्षेत्र में 24,531 सिविलियन यूनिट्स को नुकसान हुआ है, जिनमें से 19,775 यूनिट्स आवासीय हैं। इसके अलावा, 4,511 बिजनेस यूनिट्स को भी नुकसान हुआ है, जिससे वहां रहने वालों के लिए आर्थिक और रोजी-रोटी पर बड़ा असर पड़ सकता है।

बच्चों की लड़ाई में हो गई फायरिंग, युवा नेता समेत 2 गिरफ्तार

बिहार,16 मार्च (एजेंसी)। मुंगेर के मुफ्फसिल थाना इलाके के पीर पहाड़ गांव में गोलीबारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फायरिंग कर रहे दो लोगों की पहचान करते हुए गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों में आरजेडी के पूर्व प्रधान महासचिव सह पूर्व मुखिया संतोष यादव और रविश यादव शामिल है. जबकि इस घटना में शामिल अन्य लोग फरार हैं. फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है. दरअसल यह पूरी घटना सोमवार देर शाम की है, जब बच्चों-बच्चों के बीच हुई लड़ाई गोलीबारी तक पहुंच गई. वीडियो में देखा जा सकता है किस तरह दो व्यक्ति गुस्से में गाली-गलौज के साथ एक के बाद एक फायरिंग कर रहे हैं. वहीं मामले में प्रशिक्षु डीएसपी सह मुफ्फसिल थानाध्यक्ष अभिषेक चौबे ने बताया कि फायरिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है. इस मामले में एसपी सैयद इमरान मसूद के निर्देश पर सदर डीएसपी अभिषेक आनंद के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर जांच की गई है. पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया है. इस मामले में पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया है. जिसमें दो आरोपी संतोष यादव और रविश यादव को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और हथियार बरामदगी के लिए छापेमारी कर रही है. यह पूरा विवाद बच्चों को लेकर था

वित्त वर्ष 26 के लिए भारत का राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमानों के अनुरूप रहेगा : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली,16 मार्च (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि सरकार वित्त वर्ष 26 के लिए राजकोषीय घाटे को संशोधित अनुमानों के अनुरूप रखेगी। संसद में सीतारमण ने कहा कि अतिरिक्त खर्च के प्रस्ताव के बाद भी राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 27 के बजट में घोषित किए गए संशोधित लक्ष्य के अनुरूप ही रहेगा। साथ ही उन्होंने दोहराया कि सरकार राजकोषीय अनुशासन और राजकोषीय समेकन को लेकर प्रतिबद्ध बनी हुई है। वित्त मंत्री के मुताबिक, केंद्र सरकार द्वारा कोविड महामारी के बाद उठाए गए कदमों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूती हुई है और साथ ही, वैश्विक झटकों के बाद भी राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की देश की क्षमता भी बढ़ी है।इसके अतिरिक्त, वित्त मंत्री ने इकोनॉमिक स्टेबलाइजेशन फंड का प्रस्ताव रखा, जो देश को वैश्विक आर्थिक झटकों का मजबूती से सामना करने के लिए अतिरिक्त राजकोषीय क्षमता

प्रदान करेगा। सीतारमण ने कहा कि प्रस्तावित फंड अप्रत्याशित वैश्विक संकटों जैसे आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, किसी बड़े संकट के चलते अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों को होने वाले नुकसान और अन्य बाहरी झटकों से निपटने के लिए सरकार की राजकोषीय हेडरूम प्रदान करेगा। इस फंड का उद्देश्य हाल के अंतरराष्ट्रीय संकटों जैसी वैश्विक अनिश्चितता की अवधि के दौरान अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद करना है।इस फंड को लेकर वित्त मंत्री ने कहा कि अप्रत्याशित घटनाक्रमों की आशंका में सरकार द्वारा आर्थिक स्थिरीकरण के उपाय तैयार किए जा रहे हैं। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध पर वित्त मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव भारत के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। साथ ही कहा कि सरकार इन परिस्थितियों से निपटने के लिए लगातार कदम उठा रही है। सीतारामण ने आगे कहा कि सरकार आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और एलपीजी सहित ऊर्जा आपूर्ति से संबंधित संभावित चुनौतियों जैसे मुद्दों से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत का मजबूत व्यापक आर्थिक ढांचा देश को राजकोषीय स्थिरता से समझौता किए बिना बाहरी झटकों का सामना करने में सक्षम बनाता है।

अमेरिका में 10 भारतीय नागरिक गिरफ्तार, नकली हथियारबंद डकैतियों से जुड़ा कनेक्शन

नई दिल्ली,16 मार्च (एजेंसी)। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने चार राज्यों में कार्रवाई करते हुए 10 भारतीय नागरिकों को वीजा धोखाधड़ी से जुड़ी साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया है. आरोप है कि भारतीय नागरिकों ने नकली हथियारबंद डकैतियों की घटनाएं

रायगढ़ में निगम ने कबीर चौक की दुकान सील की:नोटिस के बाद नहीं कर रहा था बकाया राशि जमा, राजस्व वसूलने निगम का अभियान

रायगढ़ ,16 माच (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में किराया और अन्य कर बकाया रखने वाले दुकानदारों के खिलाफ अब निगम ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। कबीर चौक स्थित एक दुकान को निगम की टीम ने सील कर दिया है।जानकारी के अनुसार दुकान संचालक छोटू बेग पर करीब 87 हजार रुपए से अधिक का दुकान किराया बकाया था। नगर निगम की ओर से कई बार नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन दुकानदार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।इसके बाद नगर निगम के राजस्व अमले ने बकाया वसूली अभियान शुरू किया। टीम मौके पर पहुंची और कबीर चौक स्थित दुकान को सील करने की कार्रवाई की।नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अन्य बड़े बकायादार दुकानदारों और संपत्ति धारकों की भी सूची तैयार की जा रही है। बकाया कर जमा नहीं करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छुट्टी के दिन भी जमा होगा टैक्सराजस्व वसूली बढ़ाने के लिए नगर निगम का राजस्व विभाग अब छुट्टी के दिन भी खुला रहेगा। बकायादार सप्ताह के सातों दिन कार्यालय समय में आकर संपत्ति कर, समेकित कर, जलकर, यूजर चार्ज, दुकान किराया समेत सभी प्रकार के कर जमा कर सकेंगे।महापौर ने भी करदाताओं से अपील की है कि नगर निगम की ओर से शहर के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। ऐसे में सभी नागरिक अपने बकाया कर समय पर जमा करें, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके।लगातार होगी कार्रवाईनगर निगम कमिश्नर बृजेश सिंह क्षत्रिय ने कहा कि शहर के विकास कार्यों के लिए निगम को राजस्व की आवश्यकता होती है। इसलिए सभी बकायादार समय पर अपने करों का भुगतान करें।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इसके बाद भी बकाया राशि जमा नहीं की जाती है तो निगम द्वारा सीलिंग समेत नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कबीर चौक स्थित एक दुकान को सील किया गया है।

सड़क दुर्घटना में बढ़ती मौतें, सत्ता-विपक्ष ने घेरा सरकार को

रायपुर ,16 मार्च (एजेंसी)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतो पर चिंता जताई। भाजपा के अजय चन्द्राकर ने दुर्घटना रोकने के लिए अंतर विभागीय समिति बनाने और नेताप्रतिपक्ष चरणदास महंत ने जिलों में ट्रामा यूनिट खोलने का सुझाव दिया। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आश्वासन दिया की सड़क दुर्घटना में हो रही मौत गंभीर मानवीय मामला है, इसको लेकर हम शीघ्र ही आवश्यक कदम उठाएंगे। विधानसभा में आज बजट सत्र के दौरान आज परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने गृहमंत्री की अनुपस्थिति में कांग्रेस के राघवेन्द्र सिंह द्वारा पूछे गए सड़क दुर्घटना में हो रही मौत पर चिंता जताई और सरकार इन्हें रोकने के लिए किया कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि चालू वर्ष में ही अकलतरा जैसे 13 मौते हो चुकी है। बड़े वाहन जैसे-ट्रेलर के कारण आकाल का शिकार हो रहे हैं। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वर्ष 2024-25 में 76 तथा 89 लोगों को मौत हुई है। कांग्रेस के राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि अकलतरा छोटा शहर है यहां पर सड़कों में होने वाली मौत के लिए कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं है। यहां पर ट्रामा यूनिट एवं क्रेटिकल यूनिट होना चाहिए। मंत्री केदार कश्यन ने कहा कि यह मामला स्वास्थ्य विभाग का आता है। सड़क दुर्घटना रोकने के लिए हेलमेट रैली निकाली जाती है, सड़क यातायात समिति की बैठक नियमित रूप से ली जाती है। कांग्रेस के सदस्य राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि जो सुझाव जिले में आते है, उसका पालन प्रदेश स्तरीय सुरक्षा समिति द्वारा करना चाहिए। उन्होंने हेवी एवं हल्के वाहनों के बारे में जानकारी मांगी। भाजपा के वरिष्ठ सदस्य अजय चन्द्राकर ने कहा कि मैं सभापति का अनुरोध करता हूं कि चालू सत्र में ध्यानाकर्षण सहित कई प्रश्न लगाए गए है,

रसोई गैस के दाम बढ़े, बुकिंग अवधि भी बढ़ाई, लोग हो रहे परेशान

सारंगढ़ 16 मार्च (एजेंसी)।मिडिल ईस्ट में युद्ध की स्थिति बनते ही यहां के मिडिल क्लास परिवारों की परेशानी बढ़ गई है। वजह भले ही सीधे युद्ध न हो, लेकिन रसोई गैस के दाम एकाएक 941 रुपए से बढ़कर 1002 रुपए हो गए हैं। यानी हर रिफिलिंग पर 60 रुपए का सीधा बोझ बढ़ गया है।इसके साथ ही 21 दिन में होने वाली सिलेंडर बुकिंग की समयसीमा बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। इससे 25 दिन पूरे होने से पहले नया सिलेंडर बुक नहीं किया जा सकेगा। खाद्य तेल, दाल और सब्जियों की महंगाई झेल रहे लोगों के लिए यह बड़ा झटका है। महंगाई के बीच रसोई का बजट संभालना परिवारों के लिए चुनौती बन गया है। महिलाओं का कहना है कि पहले से ही खाद्य पदार्थ और सब्जियां महंगी हैं, अब रसोई गैस के दाम बढ़ने से स्थिति और कठिन हो गई है। गृहणी सोनी कोसले, मीना यादव और सावित्री कर्ष ने कहा कि यदि कीमतें ऐसे ही बढ़ती रहीं, तो लोगों को फिर से चूल्हे पर खाना बनाना पड़ेगा।जिले में रोजाना सैकड़ों सिलेंडर रिफिल किए जा रहे हैं। सभी कंपनियों की बुकिंग अब पूरी तरह ऑनलाइन है। पहले 21 दिन बाद दूसरा सिलेंडर बुक हो जाता था, लेकिन अब 25 दिन बाद ही बुकिंग संभव होगी। बड़े परिवारों के लिए यह समस्या और बढ़ जाएगी। होटल संचालकों ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट बिगड़ गया है। विभाग द्वारा होटलों में दबिश देकर लाल सिलेंडर जप्त किए जा रहे हैं, जिसके चलते कई होटल संचालक गैस की जगह लकड़ी का उपयोग कर रहे हैं।

अफीम खेती मामला...बीजेपी कार्यालय घेरने निकले कांग्रेसी, पुलिस ने रोका:जमकर की नारेबाजी, बोले- प्रदेश सरकार नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रही

रायगढ़ 16 मार्च (एजेंसी)। रायगढ़ में अफीम की खेती के मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले।कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालते हुए स्टेशन चौक और महात्मा गांधी चौक होते हुए भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे।

भाजपा कार्यालय से पहले ही पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर कांग्रेसियों को रोक दिया।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद कांग्रेसी कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। सरकार पर नशे के कारोबार

को बढ़ावा देने का आरोपकांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि, दुर्ग जिले के समोदा गांव में भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा अफीम की खेती का मामला सामने आया है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश में नशे के कारोबार को संरक्षण दिया जा रहा है। नेताओं ने कहा कि शराब, गांजा, अफीम और हेरोइन जैसे नशे के कारण युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ रही है।' धान का कटोरा अब अफीम का कटोरा बन रहा 'जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शाखा यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में तीन अलग-अलग स्थानों पर भाजपा पदाधिकारियों द्वारा लीज पर लिए गए खेतों में अफीम की खेती किए जाने की बात सामने आई है।उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब सरकार के संरक्षण के बिना संभव नहीं है। पहले छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता था, लेकिन अब नशे के कारोबार के कारण राज्य 'अफीम का कटोरा' बनने की ओर बढ़ रहा है।

होटल और ढाबों से 29 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

महासमुंद 16 मार्च (एजेंसी)। संचालक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग तथा कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग की जांच के लिए खाद्य विभाग की टीम द्वारा आज महासमुंद नगर के होटलों और ढाबों में औचक निरीक्षण किया गया। खाद्य अधिकारी अजय यादव ने बताया कि टीम द्वारा नगर में संचालित विभिन्न होटल, ढाबा और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के उपयोग की जांच की गई। जांच के दौरान सोनी मिष्ठान भंडार से 10, नेमी भोजनालय से 5, सीमांचल होटल से 5, आरोग्य अमृततुल्य चाय सेंटर से 2, प्रांजल इडली सेंटर से 2, पिज्जा गेलेरी से 1, अमय डोसा सेंटर से 1, टेस्ट ऑफपंजाब रेस्टोरेंट से 1, चाय एंड चिल रेस्टोरेंट से 1 तथा एस सेंडविच सेंटर से 1 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया। इस प्रकार कुल 29 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए

कभी मिट्टी के घर में रहने वाली लखपति दीदी मजदूरी छोड़ बनीं कार और ट्रैक्टर की मालकिन

जगदलपुर, 16 मार्च (एजेंसी)। राजकुमारी ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर स्वावलंबन का एक नया इतिहास रचा है। बस्तर के विकासखंड दरभा अंतर्गत ग्राम लेंड्रा की निवासी राजकुमारी कश्यप की जीवन यात्रा संघर्ष और आत्मविश्वास का एक जीवंत उदाहरण है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले राजकुमारी का जीवन अनिश्चितताओं से भरा था। उनके पास कोई स्थायी रोजगार नहीं था और वे अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए खेतों में मजदूरी करने या जंगलों से प्राप्त वनोपज एवं अन्य संसाधनों पर निर्भर थीं। उस दौर में वे न केवल गंभीर आर्थिक तंगी से जूझ रही थीं।

राजकुमारी के जीवन में बदलाव की शुरुआत बिहान योजना के माध्यम से हुई, जब वे वर्ष 2015 में सूरजमुखी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से मिलने वाले प्रशिक्षणों ने न केवल उनके भीतर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा जगाई, बल्कि उन्हें अपनी समस्याओं के खिलाफमुखर होना भी सिखाया। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने पशुपालन, चूजा ब्रूडिंग इकाई तथा राशन दुकान के संचालन जैसे विविध व्यवसायों को अपनी आजीविका के रूप में अपनाया। आज वे एक कुशल पशुपालन उद्यमी के रूप में न केवल अपने ब्लॉक, बल्कि अन्य विकासखंडों में भी चूजों की सप्लाई और पशुओं के टीकाकरण का कार्य सफलतापूर्वक कर रही हैं।राजकुमारी दीदी की यह उद्यमशीलता उनके जीवन में एक बड़ी क्रांति लेकर आई है। कभी दूसरों के घर मजदूरी करने वाली राजकुमारी की आय 11 वर्षों के भीतर साढ़े तीन लाख से चार लाख रुपए तक पहुँच गई है, जिससे उनके परिवार का जीवन स्तर गई है,

रायपुर आ रहे यात्री बाल-बाल बचे, बस में लगी भीषण आग

जशपुर, 16 मार्च (एजेंसी)। रांची से रायपुर के लिए जशपुर होते हुए चलने वाली शिवनाथ बस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना उस समय हुई जब बस रांची के खड़गढ़ा बस स्टेण्ड से रवाना होने के बाद नकुम क्षेत्र में रिंग रोड पर पहुंची थी। बताया जा रहा है कि बस में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरी बस धू-धू कर जलने लगी। बस में आग लगने की भनक लगते ही चालक ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत यात्रियों को इसकी सूचना दी और बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद सभी यात्रियों को जल्द से जल्द बस से नीचे उतार दिया गया। चालक की सूझबूझ और समय रहते किए गए प्रयासों के कारण बस में सवार सभी यात्रियों की जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में बस पूरी तरह आग की चपेट में आ गई। आग के कारण बस में रखा यात्रियों का सामान भी जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग की लपटें और धुएं का गुबार काफी दूर से दिखाई दे रहा था, जिससे आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस व दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई। दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी।

शराब के नशे में स्कूल पहुंचे दो शिक्षक निलंबित, डीईओ ने की कड़ी कार्रवाई

बिलासपुर, 16 मार्च (एजेंसी)। स्कूल में शराब के नशे में पहुंचने के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी ने सख्त कदम उठाते हुए मस्तूरी विकासखंड के दो सहायक शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। दोनों मामलों में स्थानीय शिकायत, जांच और स्पष्टीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

पहला मामला ग्राम पंचायत जुनवानी स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का है।6 मार्च को ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि स्कूल निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान वहां पदस्थ सहायक शिक्षक संदीप रात्रे शराब के नशे में पाए गए। स्कूल के प्रधान पाठक ने भी बताया कि संदीप रात्रे अक्सर बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहते हैं, जिससे स्कूल की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित होती है।ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जनप्रतिनिधियों और स्कूल स्टाफने संयुक्त रिपोर्ट तैयार कर इसे मस्तूरी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को सौंप दिया। बीईओ की जांच में भी शिकायत सही पाई गई। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने संदीप रात्रे को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दर्रीघाट निर्धारित किया गया है।दूसरा मामला मस्तूरी ब्लॉक के पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला कुकुर्दीकला का है। यहां पदस्थ सहायक शिक्षक उत्तम कुमार कंवर के खिलाफभी शराब पीकर स्कूल आने की शिकायत मिली थी। मामले की जानकारी मिलने पर बीईओ ने शिक्षक से स्पष्टीकरण मांगा। जवाब में उत्तम कुमार कंवर ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। इसके बाद बीईओ की रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी ने उन्हें भी निलंबित कर दिया।

गौरतलब है कि इससे पहले भी जिले में शराब के नशे में स्कूल आने वाले करीब 14 से अधिक शिक्षकों पर निलंबन की कार्रवाई हो चुकी है। इसके बावजूद कुछ शिक्षक अपनी आदतों में सुधार नहीं कर पा रहे हैं, जिस पर शिक्षा विभाग लगातार सख्ती बरत रहा है।

घायल हाथी का कराया गया त्वरित उपचार

जशपुरनगर 16 मार्च (एजेंसी)। वनमण्डल जशपुर के द्वारा घायल हाथी का त्वरित उपचार कराया गया है। हाथी अब सुरक्षित है और वह धरमजायगढ़ वनमण्डल की ओर चला गया है।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत दिवस 11 मार्च को प्रातः लगभग 07. 00 बजे दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि पत्थलगांव वन परिक्षेत्र के बीट झक्कड़पुर अंतर्गत ग्राम बुढ़ाडांड के आश्रित ग्राम गयापारा में कृषक श्री मोहर साय राठिया के निजी भूमि पर एक नग हाथी गिरा हुआ है। सूपना प्राप्त होते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी पत्थलगांव वन अमले के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया गया।मौके पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि श्री मोहर साय राठिया के निजी भूमि पर एक नग हाथी गिरा हुआ है। प्रथम दृष्ट्या यह प्रतीत हुआ कि हाथी का एक पैर कमजोरी के कारण उठने में असमर्थ था। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए वन परिक्षेत्राधिकारी द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।इस संबंध में वनमण्डलाधिकारी जशपुर श्री शशि कुमार द्वारा तत्काल उच्चाधिकारियों से संपर्क कर स्थिति की जानकारी दी गई तथा हाथी के उपचार हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिधित की गई। इसके पश्चात् सरगुजा जिले के रमकोला से वन्यपाणी विशेषज्ञ पशु चिकित्सक डॉ. अजित पाण्डेय अपनी कि हाथी का एक पैर कमजोरी के कारण उठने में असमर्थ था।

बुजुर्ग ने 22 साल की किराएदार युवती से रेप किया:प्रेग्नेंट हुई तो पेनकिलर खिलाया,15 मिनट में तड़पकर मां-बच्चे की मौत,यूट्यूब सर्च हिस्ट्री से पकड़ाया

बालोद 16 मार्च (एजेंसी)। गरीबी का फायदा उठाकर एक 59 साल के मकान मालिक ने 22 साल की युवती का रेप कर उसे प्रेग्नेंट कर दिया। अपनी करतूत छिपाने के लिए आरोपी यूट्यूब में गर्भ गिराने का वीडियो सर्च कर देखता रहा। जब कुछ समझ नहीं आया तो 9वें महीने में लेबर पेन उठने पर पेन किलर की दवाई खिलाकर मां-बच्चे दोनों को मार डाला।

ये आरोपी सुनील घरडे (59) छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बीएसपी के रिटायर्ड कर्मचारी का बेटा है। जिसके किराए के मकान में युवती रहती थी। मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र का है।

इस रिपोर्ट में पढ़िए कैसे डर में आकर युवती खुद के साथ गलत होने से नहीं रोक पाई। कुछ पैसों के दबाव में आकर एक मां अपनी बेटी के लिए आवाज नहीं उठा पाई और दोनों की जान चली गई:-

कोविड में पिता की मौत के बाद 22 साल की युवती अपनी

मां, बहन और भाई के साथ पिछले करीब 3 साल से डौंडीलोहारा में रह रही थी। मां कमाने के लिए मजदूरी करने जाती थी। बेटा गुपचुप ठेले में बर्तन धोता था। छोटी बेटी पढ़ने जाती थी। युवती घर में रहती थी।

सुनील घरडे (59) के पिता बीएसपी में कर्मचारी थे। गांव में उनकी बहुत जमीन जायदाद थी। इसी के मकान में तीनों रहते थे। 1500 किराया देते थे। आरोपी सुनील युवती को लेकर अक्सर मजाक करता था, मैं इससे प्रेम करता हूं शादी करवा दो। युवती भी उसे दादा कहती थी।आरोपी सुनील घरडे शादीशुदा है, उसके 2 बड़े बच्चे हैं। लेकिन पत्नी बच्चों से दूर दूसरे घर में रहती है। कुछ काम नहीं करता था। घर में टीवी देखता और युवती को बुलाकर कभी कभी पैर दबवाता था।

पैसे का लालच देकर बनाए संबंधसुनील युवती को पैसे का लालच देने लगा। उसकी नियत बदली तो उससे संबंध बनाने लगा। लड़की को डर दिखाकर चुप करवाने लगा। कई बार रेप के बाद युवती प्रेग्नेंट हो गई। घर से बाहर निकालने की धमकी देकर उसने युवती को चुप करा दिया।पीरियड रुकने पर युवती ने 4 महीने की प्रेग्नेंसी मां को बताई। मां ने आरोपी से बुलाकर कहा- मेरी बच्ची के साथ क्या कर दिया। आरोपी ने मां को आश्वासन दिया कि मैं बिगाड़ा हूं तो मैं ही सुधारुंगा। लड़की की बदनामी का डर दिखाकर बात किसी को भी बताने से मना कर दिया।यूट्यूब में बच्चा गिराने की वीडियो सर्च किया

मां ने डर से थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। लेकिन खुलासा होने के बाद यह बात सामने आया कि, इस दौरान आरोपी ने यूट्यूब में बच्चा गिराने का वीडियो कई बार सर्च करके देखा था। कुछ समझ नहीं आया तो बच्चा होने के बाद उसे फेंकने की प्लानिंग बना ली थी।

कानूनी कार्रवाई के डर से डॉक्टर के पास नहीं ले गए। घर से बाहर निकालने और थाने जाने पर बर्बाद करने की धमकी देता रहा।9 मार्च को 9वें महीने में युवती को लेबर पेन उठने पर आरोपी मेडिकल दुकान पहुंच गया। बिना डॉक्टरी जांच के पेन किलर खरीद लाया और युवती को खिला दिया, जिससे दर्द और बढ़ गया। दर्द बढ़ने पर 2 दवाई और खिलाई। जिससे बच्चा आधा बाहर आ चुका था। 15 मिनट बाद युवती ने तड़पकर दम तोड़ दिया। नवजात की भी जान चली गई।अंतिम संस्कार की तैयारी के बीच हुआ खुलासा

मां और नवजात की मौत के बाद आरोपी ने किसी को कुछ भी बताने से मना किया और अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगा। इसी बीच युवती के रिश्तेदार घर पहुंचे और शव को देखकर हैरान रह गए, क्योंकि उसका पेट फूला हुआ था।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

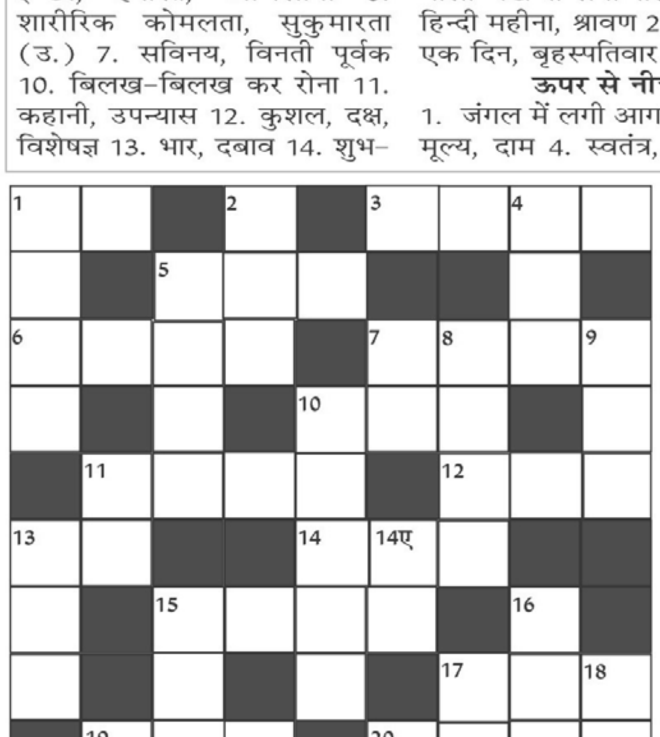

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

कोलकाता नाइट राइडर्स को लगा बड़ा झटका, आईपीएल 2026 से बाहर हुए हर्षित राणा

नईदिल्ली,16 मार्च (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का आगाज 28 मार्च से होने वाला है। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बड़ा झटका लगा है।रिपोर्ट के अनुसार टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी हर्षित राणा चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। अभी तक उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को नहीं चुना गया है। हर्षित टी-20 विश्व कप 2026 का भी हिस्सा थे, लेकिन चोट के कारण ही वह टूर्नामेंट नहीं खेल पाए थे।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर कर दिया था। उन्हें केकेआर ने 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब रहमान की जगह जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी टीम का हिस्सा बन गए हैं। केकेआर ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। मुजारबानी पीएसएल छोड़कर आईपीएल का हिस्सा बने हैं। टी-20 विश्व कप 2026 में इस खिलाड़ी ने 6 मुकाबलों में 14.46 की शानदार औसत से 13 विकेट चटकाए थे।

हर्षित के चोटिल होने के बाद केकेआर ने अभी तक उनके स्थान पर किसी खिलाड़ी को शामिल करने का फैसला नहीं किया है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि आकाश दीप, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक और कार्तिक त्यागी जैसे गेंदबाज इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे।केकेआर के एक सूत्र ने कहा कि हर्षित दुर्भाग्य से उपलब्ध नहीं होंगे, लेकिन इससे टीम के अन्य गेंदबाजों को आगे आकर खुद को साबित करने का बड़ा मौका मिलेगा।

हर्षित ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला साल 2022 में केकेआर के लिए ही खेला था। उन्होंने अब तक 34 मुकाबले खेले हैं और इसकी 32 पारियों में 25.72 की औसत और 9.51 की इकॉनमी रेट से 40 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 3/24 का रहा है। आईपीएल 2025 में इस खिलाड़ी ने 13 मुकाबले खेले थे और इसकी 13 पारियों में 29.86 की औसत और 10.18 की इकॉनमी से 15 विकेट चटकाए थे।आईपीएल 2026 में केकेआर के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की भागीदारी को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। दरअसल, टी-20 विश्व कप के दौरान वह चोटिल हो गए थे और फिलहाल चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। ऐसे में अभी यह साफ नहीं है कि वह टूर्नामेंट की शुरुआत तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं। टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए है। अंतिम फैसला पूरी तरह स्वस्थ होने की स्थिति में लिया जाएगा।

पाकिस्तान ने दूसरे वनडे में बांग्लादेश को 128 रन से हराया

नईदिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश क्रिकेट टीम को डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस) से 128 रन से हरा दिया। इसी के साथ उसने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। बारिश के कारण दूसरी पारी 32 ओवर की हो गई थी। डीएलएस के अनुसार बांग्लादेश को इन ओवरों में 243 रन बनाने थे, लेकिन उनकी टीम 114 रन ही बना पाई। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। माज सदाकत (75) और सलमान आघा (64) की शानदार पारियों के दम पर 47.3 ओवर में 274 रन बनाने में सफल रही। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 23.3 ओवर में सिर्फ 114 रन पर ऑलआउट हो गई। लिटन दास ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। हारिस रऊफ और सदाकत ने 3-3 विकेट अपने नाम किए।सदाकत ने मैच में 46 गेंदों का सामना किया और 75 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 5 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 163.04 की रही।

ये उनके वनडे करियर का पहला ही अर्धशतक रहा। उन्होंने इसी सीरीज में अपना वनडे डेब्यू किया था। गेंदबाजी में भी इस खिलाड़ी ने कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी रेट 4.60 की रही।सलमान ने मैच में 62 गेंदों का सामना किया और 64 रन बनाए। उनके बल्ले से 7 चौके और 2 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 103.23 की रही। 32 साल के इस खिलाड़ी का वनडे करियर में यह 9वां अर्धशतक रहा। बांग्लादेश के खिलाफ सलमान ने अपना पहला ही अर्धशतक लगाया। अब तक इस खिलाड़ी ने 49 वनडे खेले हैं और इसकी 41 पारियों में 43.39 की औसत से 1,432 रन बनाए हैं। सलमान का रनआउट काफी विवाद में रहा।पाकिस्तान के लिए रऊफ ने 4.3 ओवर गेंदबाजी की और 26 रन देकर 3 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी 5.80 की रही। कप्तान शाहीन अफरीदी ने पहले ओवर से ही दबाव बनाया। उन्होंने 5 ओवर में सिर्फ 22 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उनकी इकॉनमी रेट 4.40 की रही। मोहम्मद वसीम जूनियर ने 5 ओवर में सिर्फ 25 रन दिए और 1 विकेट लिया। फहीम अशरफ ने 4 ओवर में 18 रन देकर 1 सफलता हासिल की।

बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान: दूसरे वनडे में बवाल, विवादित तरीके से आउट होने पर भड़के सलमान आघा

नईदिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच दूसरे वनडे मुकाबले के दौरान बड़ा विवाद देखने को मिला। पाकिस्तान के बल्लेबाज सलमान आघा रन आउट हो गए, जिसके बाद मैदान पर हलचल मच गई। वह हेलमेट को फेंकते हुए और विपक्षी टीम पर चिल्लाते हुए नजर आए। मेहदी हसन मिराज ने उन्हें ऐसे रन आउट किया जो आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को नहीं मिलता। अब एक बार फिर खेल भावना को लेकर बहस छिड़ गई है।पारी के 39वें ओवर की चौथी गेंद पर मोहम्मद रिजवान ने सीधा खेलने का प्रयास किया। गेंद सलमान के पास जाकर रुकी और वह उस समय क्रीज से बाहर थे। सलमान ने खुद गेंद को उठाकर मेहदी को देने का प्रयास किया, लेकिन उससे पहले ही मेहदी ने गेंद को पकड़कर विकेट पर थ्रो कर दिया और रनआउट की अपील कर दी। सलमान काफी गुस्से में नजर आए। फैसला थर्ड अंपायर के पास गया, जहां वह आउट करार दिए गए।

पाकिस्तान सुपर लीग छोड़ कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा बने ब्लेसिंग मुजारबानी

नईदिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के स्पिन गेंदबाज गुडाकेश मोती और जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। मोती लाहौर कलंदर्स और मुजारबानी इस्लामाबाद यूनाइटेड की टीम का हिस्सा थे। मोती हाल ही में भारत से अपने देश लौटने में सफल हुए हैं। वेस्टइंडीज टीम पश्चिम एशिया संकट के कारण कोलकाता में फंस गई थी। मुजारबानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में केकेआर की टीम का हिस्सा बन गए हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर कर दिया था। उन्हें केकेआर ने 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब रहमान की जगह मुजारबानी टीम का हिस्सा बन गए हैं। केकेआर ने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा भी कर दी है। मुजारबानी शमार जोसेफ की जगह पीएसएल का हिस्सा बने थे। टी-20 विश्व कप 2026 में इस खिलाड़ी ने 6 मुकाबलों में 14.46 की शानदार औसत से 13 विकेट चटकाए थे।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, लाहौर कलंदर्स मोती की जगह श्रीलंका क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर दुनिथ वेलालगे को शामिल करने वाली है। 23 वर्षीय वेलालगे का हालिया टी-20 विश्व कप में प्रदर्शन अच्छा रहा था, जहां उन्होंने किफायती गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट लिए थे। हाल के समय में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में भी सुधार किया है। अगर वेलालगे इस टीम का हिस्सा होते हैं तो वह श्रीलंका के टी-20 कप्तान दासुन शनाका के साथ खेलते हुए नजर आएंगे।

टी-20 विश्व कप के बाद यात्रा से जुड़ी परेशानियों का पीएसएल में वेस्टइंडीज खिलाड़ियों की उपलब्धता पर ज्यादा असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। विश्व कप टीम के जिन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, उनमें से केवल मोती को ही इस प्रतियोगिता की किसी टीम ने अनुबंधित किया था। वहीं, दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को भी अपने देश लौटने में देरी हुई थी, लेकिन उनकी विश्व कप टीम का कोई खिलाड़ी इस प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं है।

पीएसएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने जा रही है। मौजूदा विजेता लाहौर कलंदर्स उद्घाटन मुकाबले में नई टीम हैदराबाद किंग्समेन से भिड़ेगी। लाहौर हाल के वर्षों में बेहद सफल रही है और उसने पिछले 4 में से 3 खिताब जीते हैं। पिछले साल गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में भी लाहौर ने शानदार जीत दर्ज की थी। वेलालगे अगर टीम से जुड़ते हैं तो इससे लाहौर की टीम और मजबूत हो सकती है।

द हंड्रेड: पाकिस्तान के अबरार अहमद को काव्या मारन की सनराइजर्स लीड्स ने खरीदा, विवाद शुरू

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड में खेले जाने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट द हंड्रेड में काव्या मारन की टीम सनराइजर्स लीड्स ने नीलामी में पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले दुनिया की बड़ी टी-20 लीगों में भारतीय टीम मालिक पाकिस्तानी खिलाड़ियों को अपनी टीम में लेने से बचते रहे हैं। अब अबरार को सनराइजर्स ने 1.90 लाख पाउंड (करीब 2.34 करोड़ रुपये) में खरीदा है जिससे भारतीय फैंस नाराजगी जता रहे हैं।सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस सनराइजर्स ग्रुप और काव्या के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त कर रहे हैं। अबरार की बात करें तो वे हाल ही में हुए टी-20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान की टीम का हिस्सा रहे थे। उन्होंने 4 मैचों में 6 विकेट लिए थे। द हंड्रेड में वह पहली बार यूरोप में कोई लीग खेलेंगे। वह इससे पहले पाकिस्तान सुपर लीग, बांग्लादेश प्रीमियर लीग और मेजर लीग क्रिकेट का हिस्सा रह चुके हैं। सनराइजर्स लीड्स पूरी तरह भारत के मीडिया समूह सन ग्रुप के स्वामित्व में है, जिसका नेतृत्व कलानिधि मारन और उनकी बेटी काव्या करती हैं। इस फ्रेंचाइजी का पहले नाम नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स था, जिसे इस साल भारतीय कंपनी ने अपने नियंत्रण में ले लिया। द हंड्रेड में भारतीय कंपनियों के टीम खरीदने के बाद यह चर्चा तेज थी कि नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को शायद मौका नहीं मिलेगा, जैसा कि आईपीएल और एसए-20 लीग में देखने को मिलता है।

नीलामी में पाकिस्तान के 13 खिलाड़ियों को शामिल किया जाना था, लेकिन 24 घंटे पहले शाहीन शाह अफरीदी ने अपना नाम वापस ले लिया। हारिस रऊफ, सैम अयूब और शादाब खान को कोई खरीदार नहीं मिला। अबरार के अलावा उस्मान तारिक को टीम मिल गई। उस्मान को बर्मिंघम फीनिक्स ने खरीदा, जो वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब और अमेरिकी निवेश कंपनी नाइटहेड कैपिटल मैनेजमेंट के संयुक्त स्वामित्व में है। वहीं, महिला नीलामी में किसी भी पाकिस्तानी खिलाड़ी को नहीं चुना गया।

व्यापार

दिसंबर के फ्लाइट संकट के बाद इंडिगो में बड़ा बदलाव, सीईओ पीटर एल्बर्स ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली ,16 मार्च (एजेंसी)।(एजेंसी)। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इंडिगो को संचालित करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के अनुसार, यह फैसला पिछले साल दिसंबर में आए एयरलाइन के सबसे बड़े फ्लाइट संकट के कुछ महीनों बाद लिया गया है।

स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि इंटरग्लोब एविएशन के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया फिलहाल अंतरिम तौर पर एयरलाइन के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि पीटर एल्बर्स तत्काल प्रभाव से इंडिगो के सीईओ पद से हट रहे हैं। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने संगठन में उनके योगदान और सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।कंपनी ने यह भी बताया कि राहुल भाटिया तब तक एयरलाइन के कामकाज की जिम्मेदारी संभालेंगे, जब तक कंपनी नए नेतृत्व की घोषणा नहीं कर देती। उम्मीद है कि जल्द ही नए सीईओ का ऐलान किया जाएगा। बोर्ड के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कहा कि राहुल भाटिया का दोबारा प्रबंधन संभालना कंपनी की कार्य संस्कृति को मजबूत करने, संचालन में उत्कृष्टता बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। राहुल भाटिया ने कहा कि उन्होंने 22 साल पहले इंडिगो की स्थापना की थी और इसे आगे बढ़ाया है, इसलिए एयरलाइन, देश, ग्राहकों, कर्मचारियों और निवेशकों के प्रति उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है।करीब तीन साल पहले इंडिगो के सीईओ बने पीटर एल्बर्स के कार्यकाल में एयरलाइन ने तेजी से विस्तार किया। उनके नेतृत्व में कंपनी की आमदनी 10 अरब डॉलर से अधिक हो गई और एयरलाइन का फ्लीट बढ़कर 440 से ज्यादा विमानों तक पहुंच गया। इसी दौरान इंडिगो ने एयरबस के साथ ए320 फैमिली के 500 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर भी दिया, जिसे विमानन इतिहास के सबसे बड़े ऑर्डर में से एक माना जाता है। हालांकि इन उपलब्धियों के बावजूद, दिसंबर 2025 में आए बड़े परिचालन संकट ने उनके कार्यकाल को प्रभावित किया। यह संकट तब पैदा हुआ, जब एयरलाइन को पायलटों की थकान रोकने के लिए बनाए गए नए नियमों को लागू करने में दिक्कतें आईं।3 से 5 दिसंबर के बीच इंडिगो ने 2,500 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि करीब 1,900 उड़ानों में देरी हुई। इससे देश भर में 3 लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि इंटरग्लोब एविएशन के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया फिलहाल अंतरिम तौर पर एयरलाइन के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि पीटर एल्बर्स तत्काल प्रभाव से इंडिगो के सीईओ पद से हट रहे हैं। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने संगठन में उनके योगदान और सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।कंपनी ने यह भी बताया कि राहुल भाटिया तब तक एयरलाइन के कामकाज की जिम्मेदारी संभालेंगे, जब तक कंपनी नए नेतृत्व की घोषणा नहीं कर देती।

आईईए के रिजर्व जारी करने की रिपोर्ट्स के बीच कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे लुढ़की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल की कीमत में बुधवार को गिरावट देखने को मिली और यह 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसल गया है। इसकी वजह आईईए द्वारा इमरजेंसी रिजर्व जारी कर कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने के प्रस्ताव को माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी-ईरान युद्ध के बाद बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों को कम करने के लिए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) इमरजेंसी रिजर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति पर विचार कर रहा है।कई रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरजेंसी रिजर्व से प्रस्तावित आपूर्ति 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद दो चरणों में जारी किए गए 182 मिलियन बैरल से अधिक होगी। जी7 देशों ने आईईए से इस तरह के कदम के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया है। इन रिपोर्ट्स के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 0.99 प्रतिशत गिरकर 86.93 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) वायदा 0.75 प्रतिशत गिरकर 82.82 डॉलर हो गया।हाल के दिन में होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण ब्रेंट क्रूड में करीब 50 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई थी और यह 119 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया था। होर्मुज जलडमरूमध्य, मध्य पूर्व में प्रमुख समुद्री व्यापारिक मार्ग पर स्थित एक संकरा रास्ता है, जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होकर जाता है। कच्चे तेल में गिरावट की एक वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है।हालांकि, अमेरिका-ईरान युद्ध दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और समाधान के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने या उनकी तैयारी में जुटे होने की खबरों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है। मंगलवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई बारूदी सुरंगें बिछाई हैं और हमारे पास इसकी कोई रिपोर्ट नहीं है, तो हम चाहते हैं कि उन्हें तुरंत हटाया जाए! उन्होंने आगे कहा कि बारूदी सुरंगों को हटाना सही दिशा में एक बड़ा

शेयर बाजार में जोरदार रिकवरी, 5 सेकंड में 4 लाख करोड़ की बारिश, इस कारण लौटी मार्केट में रौनक

मुंबई ,16 मार्च (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार के कारोबारी सत्र में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। सुबह 11:45 पर सेंसेक्स 668 अंक या 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,224 और निफ्टी 198 अंक या 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,225 पर था। ओवरऑल बात करें तो क्चस्श्व पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4.29 लाख करोड़ बढ़ गया है यानी निवेशकों की दौलत मार्केट खुलते ही 4.29 लाख करोड़ बढ़ गई है।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 721 अंक या 1.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 56,892 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274 अंक या 1.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,406 पर था। भारतीय शेयर बाजार में तेजी की वजह कच्चे तेल की कीमत में गिरावट को माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद, ब्रेंट क्रूड 6 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 92 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है, जो कि सोमवार को 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था।निवेशकों की दौलत में 4.29 लाख करोड़ का उछालएक कारोबारी दिन पहले यानी 9 मार्च 2026 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,41,10,262.45 करोड़ था। आज यानी 10 मार्च 2026 को मार्केट खुलते ही यह 4,45,40,192.35 करोड़ पर पहुंच गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 4,29,929.9 करोड़ बढ़ गई है।

अमेरिकी मीडिया को ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा था कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त होने के करीब है। इससे कच्चे तेल में नरमी देखने को मिली। बाजार में तेजी की एक वजह डॉलर के मुकाबले रुपए का मजबूत होना है। मंगलवार को बाजार खुलने के साथ ही अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मजबूत बना हुआ है। अब तक के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया का उच्चतम स्तर 91.72 और न्यूनतम स्तर 92.33 रहा है।

एलपीजी संकट के बीच भागे इंडक्शन चूल्हा बनाने वाली कंपनियों के शेयर

मुंबई ,16 मार्च (एजेंसी)। मध्य पूर्व में तनाव के चलते एलपीजी की कमी की रिपोर्ट्स के बाद देश में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में तेजी देखी जा रही है और इससे बुधवार को होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर में तेजी देखी गई। बटरफ्लाई गांधीमथी अप्लायंसेज के शेयर इंट्राडे में दोपहर 12:45 पर 7.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 651 रुपए पर था। दिन के दौरान शेयर ने 660 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। टीटीके प्रेस्टीज का शेयर 9.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 530 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में इसने 556 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। पिजन नाम में प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी स्टोव क्राफ्ट का शेयर 5.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 510 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर ने 525 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

दूसरी तरफ, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि एलपीजी संकट के देखते हुए शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। सीईईडब्ल्यू के फेलो अभिषेक कार ने कहा कि भारत अपनी एलपीजी का लगभग दो-तिहाई हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक पश्चिम एशियाई देशों जैसे यूएई, कतर और सऊदी अरब से आता है। कर ने सुझाव दिया, घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने हेतु आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करना पहला, लेकिन एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार को अब एलपीजी सब्सिडी के लिए चलाए गए गिव इट अप अभियान की तर्ज पर एलपीजी उपयोग पर एक नया गिव इट अप अभियान शुरू करना चाहिए, जो उन परिवारों को टारगेट करे जिनके पास इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव हैं या जो इसे वहन कर सकते हैं। इससे घरेलू एलपीजी की मांग पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने मंगलवार को अपने सदस्यों से एलपीजी की खपत कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे मेनू पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें कम गैस की खपत हो या खाना पकाने में कम समय लगे। साथ ही, जहां संभव हो, खाना पकाने के लिए इलेक्ट्रिक उपकरणों के विकल्प पर भी विचार करें। एनआरएआई ने देश भर के व्यवधान उत्पन्न हो गया है।

कॉपी गलत जांची या नंबर जोड़ने, लिखने में गलती की तो तीन साल के लिए पारिश्रमिक कार्यों से होंगे वंचित

रुक सकती है वेतन वृद्धि भी, जो विषय पढ़ाते हैं उसी की कॉपी जांच सकेंगे

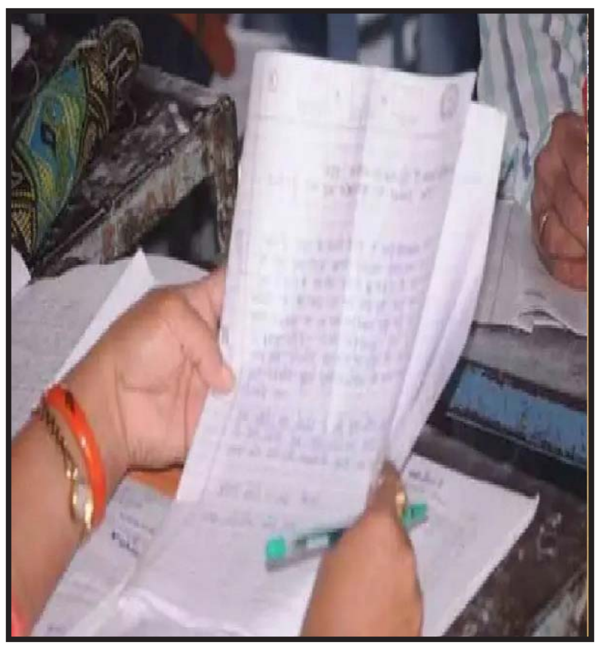

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 16 मार्च से जिले के दो केंद्रों में शुरू हो गई। अब तक दोनों केंद्रों पर करीब 1 लाख से अधिक कॉपियां पहुंच चुकी हैं।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के निर्देशानुसार इस वर्ष मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटि रहित बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। मूल्यांकन या अंकों की गणना में गलती पाए जाने पर संबंधित शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों के अनुसार गंभीर लापरवाही मिलने पर शिक्षक को तीन से पांच वर्ष तक बोर्ड के पारिश्रमिक कार्यों से वंचित किया जा सकता है, वहीं अधिक गंभीर मामलों में एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की सिफारिश भी की जाएगी। बोर्ड के मुख्य परीक्षा वर्ष 2022-23 से लागू आदेश के अनुसार 20 से 40 अंकों तक की वृद्धि पाए जाने पर शिक्षक को तीन साल के लिए बोर्ड कार्य से अलग किया जाएगा। 41 से 49 अंकों की वृद्धि वाले मामलों में पांच वर्ष तक प्रतिबंध रहेगा। यदि अंतर 50 अंकों से अधिक पाया गया तो पांच साल तक पारिश्रमिक कार्य से वंचित करने के साथ-साथ एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की अनुशंसा की जाएगी। जिले में बनाए गए दोनों मूल्यांकन केंद्रों में कॉपियों की जांच का काम अलग-अलग किया जाएगा। विभाग ने उत्तर पुस्तिकाओं की जांच पूरी निष्पक्षता, शुद्धता और पारदर्शिता के साथ करने कहा है। शिक्षक केवल उसी विषय की कॉपियां जांचें, जिसे वे पढ़ाते हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले प्रश्नपत्र और आदर्श उत्तर का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना अनिवार्य है, ताकि किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो।

मोबाइल और बैग मूल्यांकन कक्ष के बाहर ही रख कर जाना होगा

मुख्य परीक्षा मूल्यांकन सुबह 10 से शाम 5.30 बजे तक निर्धारित है। शिक्षकों को सुबह 10 बजे मूल्यांकन कक्ष में उपस्थित होना होगा। वे कक्ष में मोबाइल, बैग नहीं ले जा सकेंगे। 10.10 बजे उत्तर पुस्तिका दी जाएगी। 10.20 से 12.20 बजे तक पहली पाली का मूल्यांकन होगा। 10 मिनट लघु विश्राम पश्चात 12.30 से 1.30 बजे तक मूल्यांकन एवं अंक तालिका संबंधी कार्य किया जाएगा। आधे घंटे भोजन अवकाश के बाद द्वितीय पाली का समय अपरान्ह 2 से 5.30 बजे तक रहेगा। मूल्यांकन 2 से 4 बजे तक होगा। 10 मिनट लघु विश्राम के बाद 4.10 से 5.10 बजे तक मूल्यांकन एवं अंक तालिका तथा 5.30 बजे तक अभिलेखन किया जाएगा।

दोनों पालियों में 20-20 कॉपी जांचेंगे, निष्पक्ष मूल्यांकन करेंगे

प्रतिदिन दोनों पालियों में निर्धारित अनुसार 20-20 उत्तरपुस्तिकाएं जांचेंगे। गलत उत्तर पर स्पष्ट रूप से शून्य अंक लिखना होगा। यदि परीक्षार्थी ने निर्धारित से अधिक प्रश्न हल किए हों तो अतिरिक्त उत्तर को लाल स्याही से काटकर अतिरिक्त लिखेंगे। सभी खाली पन्नों पर लाल स्याही से क्रॉस करना अनिवार्य है। कोई भी लिखा हुआ उत्तर बिना जांचे छोड़ना दंडनीय त्रुटि मानी जाएगी। आदर्श उत्तर से भिन्न परंतु सही उत्तर को उचित अंक देना होगा। भाषा विषय में वाक्य संरचना, भाव, शुद्धता और समझ के आधार पर निष्पक्ष मूल्यांकन करेंगे।

चैत्र नवरात्र 19 से, तैयारियां तेज मंदिर में रंगरोगन का काम पूरा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अंचल में आगामी चैत्र नवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। इस वर्ष नवरात्रि का शुभारंभ 19 मार्च, गुरुवार से हो रहा है। गुरुवार का दिन माता की आराधना के लिए विशेष माना जाता है, जिससे इस बार के पर्व का महत्व और भी बढ़ गया है। इसी दिन हिंदू नववर्ष यानी गुड़ी पड़वा भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

पंचांग के अनुसार नवरात्रि में 23 मार्च को पंचमी और 26 मार्च को महाअष्टमी का पावन पर्व मनाया जाएगा, जिसमें विशेष हवन और कन्या पूजन के अनुष्ठान होंगे। नौ दिनों तक चलने वाली इस भक्ति यात्रा का समापन 27 मार्च को रामनवमी के साथ होगा, जिस दिन जंवारा विसर्जन की रस्म पूरी की जाएगी। नगर के मंदिरों में रंग-रोगन और साफ-सफाई का कार्य चल रहा है। नवरात्रि की तैयारी शुरू हो चुकी है। मंदिर समितियों और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से भक्तों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित करने के लिए पंजीयन और रसीद काटने की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिरों में प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग बनाए गए हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, जबकि नगर निगम मंदिर परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चला रही है। बाजारों में भी पूजा सामग्री, चुनरी और फलाहार की दुकानों पर रौनक बढ़ गई है। नौ दिनों तक पूरा अंचल माता के जयकारों और भजन-कीर्तन से गुंजायमान रहेगा।

पुलिस के ऑपरेशन शांति अभियान में दबोचे गए 85 वारंटी

शांति भंग करने वाले दो आरोपियों के खिलाफ हुई कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था को बनाए रखने सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत जिले भर में आपरेशन शांति चलाकर 85 वारंटियों को दबोचा गया। पुलिस के हत्थे चढ़े वारंटियों में 52 गिरफ्तारी व 33 वारंटी शामिल हैं। इसके अलावा वार्ड में शांति भंग करने वाले दो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस कप्तान सिद्धार्थ तिवारी ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उनके निर्देश एएसपी लखन पटले व नीतीश ठाकुर के मार्गदर्शन

में जिले भर में ऑपरेशन शांति चलाया गया। अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देते हुए एक ही दिन में 85 वारंटियों को दबोचा गया। पुलिस के हत्थे चढ़े वारंटियों में 52 गिरफ्तारी व 33 स्थायी वारंटी शामिल है, जिन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड भेजा गया है। इसी तरह वार्ड क्रमांक 11 के लोगो ने वार्ड में असामाजिक तत्वों द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने की शिकायत पुलिस कप्तान से की थी। शिकायत की गंभीरता से लेते हुए सोमू तिवारी व छोटका प्रजापति के खिलाफ बीएनएस की धारा 170 के तहत कार्रवाई की गई है।

भूविस्थापितों ने टेंडर में मांगा आरक्षण, महाप्रबंधक को लिखा पत्र

अनुमानित लागत से कम दरों पर डाले गए निविदा की हो जांच

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति ने एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक को पत्र सौंपा है। जिसमें कोयला खनन के कारण विस्थापित हुए हजारों किसान परिवारों के लिए वैकल्पिक रोजगार और निविदाओं में उचित भागीदारी की मांग की है। समिति का कहना है कि पैतृक भूमि छिन जाने से किसानों के पास आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। जिसे दूर करना प्रबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। पत्र में कहा गया है कि वर्तमान में विस्थापितों और उनकी सहकारी समितियों के लिए सुरक्षित टेंडर की अनुमानित राशि मात्र 5 लाख रूपए है। समिति ने इसे बढ़ाकर न्यूनतम 20 लाख रूपए करने और वार्षिक टेंडर सीमा को 5 करोड़ रुपए तक करने की मांग की है। वर्ष 2018 के पत्र का हवाला देते हुए समिति ने मांग की है कि कोल ट्रांसपोर्टेशन और अन्य सभी कार्यों के निविदाओं में स्थानीय भू-विस्थापित सहकारी समितियों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण फिर से लागू किया जाए। पत्र में चिंता जताई गई है कि कुछ बाहरी लोग भू-विस्थापितों के प्रमाणपत्रों का दुरुपयोग कर निविदाओं में हिस्सा ले रहे हैं। समिति ने मांग की है कि ऐसे लोगों को ब्लैक लिस्ट किया जाए और केवल वास्तविक परियोजना प्रभावितों को ही प्राथमिकता दी जाए। भू-विस्थापितों को कंपनी के सीएसआर मद से विभागीय कॉलोनियों और कार्यालयों में स्थायी आजीविका व स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाने की मांग की गई है। समिति अध्यक्ष सपूरन कुलदीप ने कहा कि कुछ टेंडर अनुमानित लागत से 60 से 73 फीसदी नीचे दरों पर डाले जा रहे हैं। इतनी कम राशि में कार्य की गुणवत्ता और विस्थापितों के लाभ पर सवाल उठाते हुए इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है।

व्यापमं परीक्षा में निजी शिक्षक नहीं बनेंगे पर्यवेक्षक, पर्यवेक्षक व वीक्षक नियुक्ति के संबंध में कड़े दिशा-निर्देश जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) ने परीक्षाओं में पर्यवेक्षक व वीक्षक नियुक्ति के संबंध में कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब पर्यवेक्षक के रूप में केवल सहायक प्राध्यापक, व्याख्याता या उससे उच्च पद के अधिकारी ही नियुक्त किए जा सकते हैं। शासकीय महाविद्यालयों के अतिथि व्याख्याता या निजी संस्थानों के शिक्षकों को किसी भी स्थिति में पर्यवेक्षक नियुक्त नहीं किया जाएगा। साथ ही, शासकीय संस्थानों में वीक्षक के रूप में भी केवल शासकीय शिक्षकों की ही तैनाती होगी। परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशों का पालन अनिवार्य है। निरीक्षण में यह पाया गया है कि कुछ परीक्षा केन्द्रों में इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। समन्वयक और केंद्राध्यक्षों ने बताया कि कुछ शासकीय शिक्षकों द्वारा परीक्षा ड्यूटी करने से इंकार करने के कारण उन्हें निजी संस्थानों के शिक्षकों को नियुक्त करना पड़ा। व्यापमं ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा ड्यूटी से इंकार करना छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत अनुशासनात्मक उल्लंघन माना जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अन्य महत्वपूर्ण निर्देश

0 अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने से कम से कम 2 घंटे पहले केंद्र पहुंचें।

0 एडमिट कार्ड और मूल फोटो पहचान पत्र साथ अनिवार्य।

0 मोबाइल, स्मार्टवॉच, कैलकुलेटर आदि केंद्र में लाना प्रतिबंधित।

0 हल्के रंग के बिना पाकिट वाले कपड़े पहनना अनिवार्य।

0 सभी समन्वयकों और केंद्राध्यक्षों से कहा है कि परीक्षा के नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें और निष्पक्ष संचालन को प्राथमिकता दें।

एसईसीएल में 1600 अप्रेंटिस पदों पर होगी भर्ती

खनन इंजीनियरिंग के 900 पद, आवेदन 17 मार्च से

इन पदों पर होगी भर्ती

भर्ती के तहत कुल 1600 पद निर्धारित किए गए हैं। इनमें 500 पद ग्रेजुएट अप्रेंटिस और 1100 पद टेक्नीशियन अप्रेंटिस के लिए तय किए गए हैं। ग्रेजुएट अप्रेंटिस के पदों में खनन इंजीनियरिंग के लिए 200, सिविल इंजीनियरिंग के लिए 20, विद्युत इंजीनियरिंग के लिए 30, यांत्रिक इंजीनियरिंग के लिए 30 तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार इंजीनियरिंग के लिए 10 पद शामिल हैं। इसके अलावा प्रशासन (बीबीए) के लिए 25, कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) के लिए 100, वाणिज्य (बी. कॉम) के लिए 50 और विज्ञान (बीएससी, केमिस्ट्री) के लिए 35 पद निर्धारित किए गए हैं।

कोरबा (छ.ग.गौरव)। देश की प्रमुख कोयला कंपनियों में शामिल साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने वर्ष 2026-27 के लिए 1600 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकाली है। यह प्रशिक्षण कंपनी की विभिन्न भूमिगत और ओपन कास्ट खदानों तथा अन्य प्रतिष्ठानों में एक वर्ष की अवधि के लिए दिया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थी 17 से 31 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। टेक्नीशियन अप्रेंटिस श्रेणी में खनन इंजीनियरिंग के लिए सर्वाधिक 900 पद रखे गए हैं। इसके अलावा खनन सर्वेक्षण के 40, सिविल इंजीनियरिंग के 40, विद्युत इंजीनियरिंग के 50, यांत्रिक इंजीनियरिंग के 50 तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार इंजीनियरिंग के 20 पद निर्धारित किए गए हैं। इसमें आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को सबसे पहले नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम के नेट्स 2.0 पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। इसके बाद एसईसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा। भर्ती संबंधित विस्तृत जानकारी और आधिकारिक अधिसूचना कंपनी की वेबसाइट में देखी जा सकती है। कंपनी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इस पहल का उद्देश्य इंजीनियरिंग, तकनीकी और सामान्य स्नातक क्षेत्रों के युवाओं को उद्योग से जुड़ा व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें भविष्य में बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें।

डिजिटल मंच: वीबी-जी राम जी यूथ कैंपेन शुरू

स्पर्धा में हिस्सा लेकर युवा गांव में रोजगार के अवसरों को ऑनलाइन प्रदर्शित करेंगे

कोरबा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने माय भारत पोर्टल के सहयोग से वीबी-जी राम जी यूथ डिजिटल कैंपेन की शुरुआत की है। की है। इस अभियान का उद्देश्य देश के युवाओं को ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों में शामिल करना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवा अपने गांव की सकारात्मक कहानियां, नवाचार और विकास कार्य देशभर के सामने ला सकते हैं।

जिले में भी इस अभियान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। जिला पंचायत के सीईओ दिनेश नाग ने युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रदर्शित करें। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्य, स्वरोजगार की पहल और रोजगार के अवसरों को युवाओं के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे अन्य क्षेत्रों को भी प्रेरणा मिलेगी।

वीडियो चैलेंज, क्विज और लोगो डिजाइन स्पर्धाएं होंगी

0 वीडियो चैलेंज: प्रतिभागियों को अपने गांव के विकास, रोजगार के अवसर या किसी सकारात्मक पहल को दर्शाते हुए हुए 30 से 60 सेकंड की शॉर्ट वीडियो या रील बनानी होगी। वीडियो की अधिकतम फाइल साइज 25 एमबी होगी। 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा इसमें हिस्सा ले सकते हैं। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को भारत सरकार कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करने का मौका भी मिलेगा।

0 ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता: माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध अधिनियम और अभियान से संबंधित 20 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सफल प्रतिभागियों को ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

0 लोगो डिजाइन प्रतियोगिता: विकसित भारत-जी राम जी एक्ट, 2025 के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अभियान की भावना और उद्देश्य को दर्शाता आकर्षक और रचनात्मक लोगो डिजाइन करना होगा। चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो के लिए 50 हजार रुपए नकद पुरस्कार रखा गया है। चयनित लोगो का उपयोग भविष्य में इस अभियान की आधिकारिक प्रचार सामग्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

ढेलवाडीह क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग, मांग पूरी नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ढेलवाडीह क्षेत्र के ग्रामीणों ने लंबे समय से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) खोलने की मांग की है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है। मामूली बीमारी या दुर्घटना होने पर भी लोगों को इलाज के लिए कई किलोमीटर दूर जिला अस्पताल जाना पड़ता है। इससे समय और पैसे दोनों की परेशानी उठानी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को ज्ञापन देकर न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग की जा चुकी है, लेकिन विभाग का रवैया ढुलमुल बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण क्षेत्र के हजारों लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का होना जरूरी है, क्योंकि इससे लोगों को समय पर प्राथमिक उपचार मिल सकता है और गंभीर मरीजों को तुरंत बड़े अस्पताल रेफर किया जा सकता है। स्थानीय लोगों की मानें तो अक्सर ढेलवाडीह कटघोरा । बाईपास, बाकी मोंगरा रोड, सुतर्रा बाईपास मार्ग पर आए दिन बड़ी घटना और रोड दुर्घटना घटित होते रहती है, पीएचसी होने से तत्काल प्रारंभिक उपचार के माध्यम से लोगों की जान बचाई जा सकती है। लोगों को राहत दिया जा सकता है। इस बात को लेकर कई बार स्थानीय लोगों ने मांग भी की है पर कोई ठोस पहल न होने से लोगों में नाराजगी व्याप्त है। साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35, प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623